संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -34 मंगलवार ,05 दिसम्बर 2023 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

# मिजोरम में जीपीएम की भारी बहुमत से हुई जीत

» मिजोरम के मुख्यमंत्री जोरमथंगा चुनाव हारे
» जीपीएम को 40 में से 27 सीट
» एमएनएफ को 10,भाजपा को 2 और कांग्रेस एक पर जीती

**इंफाल,04 दिसम्बर 2023(ए)।** मिजोरम के 40 विधानसभा सीटों का रिजल्ट आ गया है। इस बार नई नवेली पार्टी जोरम पीपुल्स मूवमेंट 27 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनी है। सत्ताधारी मिजो नेशनल फ्रंट को 10, भाजपा को 2 और कांग्रेस के खाते में एक सीट आई हैं। मिजोरम में सबसे बड़ा उलटफेर आइजोल ईस्ट-1 सीट पर हुआ। यहां मुख्यमंत्री जोरामथंगा चुनाव हार गए। उन्हें जीपीएम के ललथनसंगा ने 2 हजार से ज्यादा वोटों से हराया। हार के बाद सीएमने डॉ. हरि बाबू कंभमपति से मुलाकात कर इस्तीफा दे दिया।

जीपीएम की जीत पर पार्टी के नेता और मुख्यमंत्री पद के दावेदार लालदुहोमा ने कहा- मैं पार्टी की जीत से खुश हूं। मुझे इसी तरह के नतीजों की उम्मीद थी। अगले दो दिनों के अंदर मैं राज्यपाल से मिलूंगा। शपथ ग्रहण इसी महीने होगा। लालदुहोमा इंदिरा गांधी के सिक्योरिटी इंचार्ज और कांग्रेस के सांसद रह चुके हैं।

### छह दलों के गठबंधन से बनी थी जोरम पीपुल्स मूवमेंट

जोरम पीपुल्स मूवमेंट पार्टी शुरुआत में छह क्षेत्रीय दलों का गठबंधन था। जिसमें मिजोरम पीपुल्स कॉन्फ्रेंस, जोरम नेशनलिस्ट पार्टी, जोरम एक्सोडस मूवमेंट, जोरम डिसेंट्रलाइजेशन फ्रंट, जोरम रिफॉर्मेशन फ्रंट और मिजोरम पीपुल्स पार्टी शामिल थीं।

## सबसे चौंकाने वाले रिजल्ट

जोरमथंगा

ललथनसंगा

आइजोल ईस्ट 1 से CM जोरमथंगा चुनाव हार गए। उन्हें ZPM के ललथनसंगा ने 2101 वोटों से हराया।

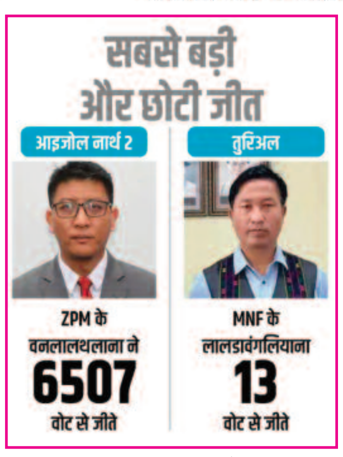


2018 में जीपीएम ने इसी गठबंधन के साथ चुनाव लड़ा था और आठ सीटें जीतीं। इसके बाद चुनाव आयोग ने आधिकारिक तौर पर जुलाई 2019 में पार्टी को रजिस्टर्ड किया। सबसे बड़ी संस्थापक पार्टी मिजोरम पीपुल्स कॉन्फ्रेंस, 2019 में गठबंधन से बाहर हो गई थी और बाकी बची पांच पार्टियां एक में शामिल हो गई, जिसे जीपीएम नाम दिया गया।

### जोरम पीपुल्स मूवमेंट के नेता लालदुहोमा

लालदुहोमा एक पूर्व आईपीएस अधिकारी हैं। जो पूर्व पीएम इंदिरा गांधी की सिक्योरिटी संभाल चुके हैं। अभी राहुल गांधी की संसद सदस्यता गई थी तो लालदुहोमा एक बार फिर चर्चा में आ गए थे। दरअसल, लालदुहोमा ने 1984 में मिजोरम से कांग्रेस के टिकट पर लोकसभा सीट जीती थी। बाद में उनका राज्य कांग्रेस के नेताओं से मतभेद हो गया और उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया। वे 1988 में दल-बदल विरोधी कानून के तहत अयोग्य घोषित होने वाले पहले लोकसभा सांसद बने। 2018 में लालदुहोमा ने आइजोल पश्चिम- आई और सेरछिप से निर्दलीय चुनाव जीता।

### मिजोरम में पिक्चर क्लीयर, जेडपीएम ने 27 सीटें जीतकर हासिल किया बहुमत

मिजोरम में चुनाव परिणाम आ चुके हैं और 40 विधानसभा सीटों में से जोरम पीपुल्स मूवमेंट ने 27 सीटें जीती हैं जबकि सत्ताधारी मिजो नेशनल फ्रंट के खाते में 10 सीटें आईं। उधर, बीजेपी ने दो सीटें जीती हैं। पिछली बार पार्टी को एक सीट मिली थी। जबकि कांग्रेस के खाते में एक सीट आई। सीएम जोरमथंगा आइजोल-ईस्ट 1 से चुनाव हार गए। उन्हें जीपीएम के ललथनसंगा ने हराया।

जोरम पीपुल्स मूवमेंट के नेता लालदुहोमा ने कहा-मैं पार्टी की जीत से खुश हूं। मुझे इसी तरह के नतीजों की उम्मीद थी। अगले दो दिनों के अंदर मैं राज्यपाल से मिलूंगा। शपथ ग्रहण इसी महीने होगा। मिजोरम के 8.57 लाख मतदाताओं ने सात नवंबर को 40 विधायकों को चुनने के लिए मतदान किया था। इस बार 80 फीसदी से अधिक वोटरों ने वोट डाले थे। वोटों की गिनती से पहले हुए एग्जिट पोल में एमएनएफ की विदाई की भविष्यवाणी की गई थी, जो सही साबित हुई।

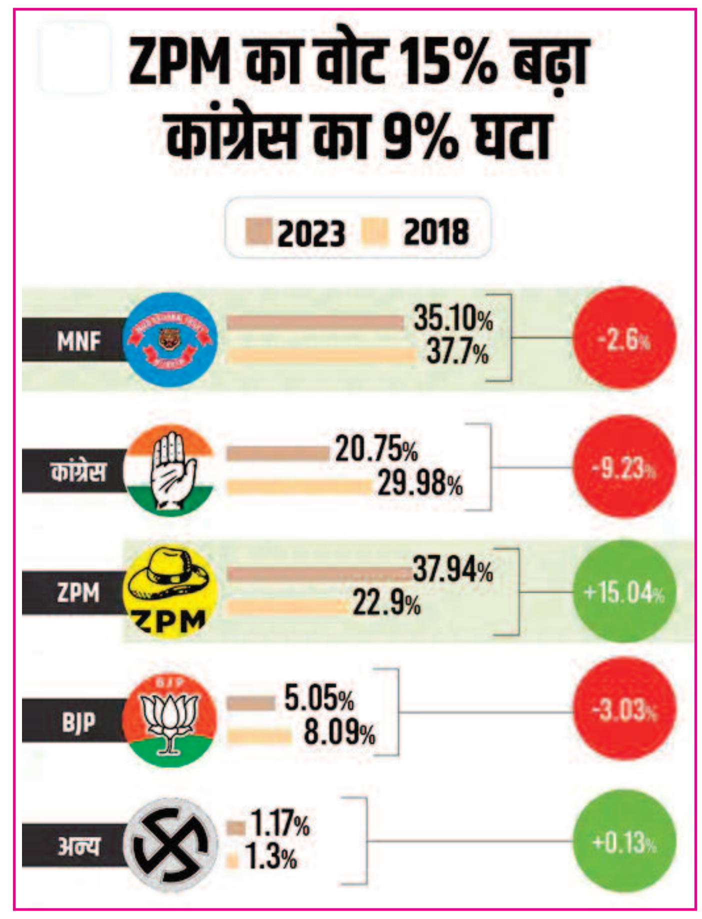


पार्टी के अध्यक्ष लालदुहोमा भी चुनाव जीत चुके हैं। 74 साल के आईपीएस अधिकारी लालदुहोमा सेरछिप विधानसभा से चुनाव लड़े थे। हाल के एक्जिट पोल में मिजोरम में जीपीएम के लिए संभावित जीत का अनुमान लगाया गया। एग्जिट पोल में जेडपीएम को 28-35 सीटें हासिल करने का अनुमान जताया गया था।

पूर्व पीएम इंदिरा गांधी के सुरक्षा अधिकारी रहे लालदुहोमा बनेंगे मिजोरम के सीएम

नई दिल्ली । मिजोरम में विधानसभा चुनाव परिणाम के ताजा रुझान से साफ है कि जेडएनपी भारी बहुमत से सरकार बनाएगी। चुनाव से पहले और चुनाव के बाद भी यहां त्रिकोणीय मुकाबले की बात कही जा रही थी। एग्जिट पोल में भी हंग असेंबली का अनुमान लगाया गया था, लेकिन लालदुहोमा और उनकी पार्टी ने सारी अटकलों को खारिज कर दिया है। लालदुहोमा इस बड़ी जीत के बाद अब सीएम बनने की तैयारी कर रहे हैं। एक प्रशासनिक अफसर से लेकर राज्य के सीएम का दावेदार बनने तक का लालदुहोमा का सफर इतना आसान नहीं रहा है। वह पिछले कुछ साल से मिजोरम के विकास और राज्य को कांग्रेस और एमएनएफ से मुक्ति दिलाने की बात कहते आ रहे हैं।

लालदुहोमा मिजोरम के युवाओं के बीच काफी लोकप्रिय हैं। लालदुहोमा 1977 में आईपीएस बने और गोवा में एक स्क्वाड लीडर के रूप में काम किया। इस दौरान उन्होंने तस्करों पर कई कार्रवाई की। इससे वह नेशनल मीडिया में छाने लगे। इनके अच्छे काम को देखते हुए 1982 में इन्हें पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के सुरक्षा प्रभारी के रूप में तैनाती दी गई।

मिजोरम विधानसभा चुनाव के वोटों की गिनती जारी है। प्रदेश में जोरम नेशनलिस्ट पार्टी (जेडएनपी) बड़ी जीत की तरफ बढ़ रही है। 11-30 बजे तक के रुझानों में जेडएनपी को 40 में से 26 सीटों पर बढ़त हासिल है। सत्तारूढ़ मिजो नेशनल फ्रंट (एमएनएफ) 10 सीटों पर आगे है, जबकि कांग्रेस 1 पर और अन्य 3 पर आगे चल रहे हैं।

# पीएम नरेंद्र मोदी बोले-देश नकारात्मकता को खारिज करता है

» लोकसभा में पीएम मोदी का हुआ जोरदार स्वागत
» बीजेपी सांसदों ने लगाए 'बार-बार मोदी सरकार' के नारे
» हार का गुस्सा संसद में न निकालें
» पीएम मोदी ने विधानसभा चुनाव हारने के लिए कांग्रेस पर हमला बोला

**नई दिल्ली,04 दिसम्बर 2023(ए)।** संसद के शीतकालीन सत्र की शुरुआत के पहले प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने मीडिया को संबोधित किया है। नरेंद्र मोदी ने कहा राजनीतिक तापमान तेजी से बढ़ रहा है। चार राज्यों के चुनाव के नतीजे कल आए। नतीजे बहुत उत्साहजनक हैं। ये उन लोगों के लिए उत्साहवर्धक हैं जो देश के उज्ज्वल भविष्य के लिए, आम आदमी के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध हैं।

जब सुशासन होता है, जन कल्याण के प्रति समर्पण होता है। तब सत्ता विरोधी शब्द अप्रासंगिक हो जाता है। आप सत्ता समर्थक, सुशासन या पारदर्शिता कह सकते हैं। इतने बड़े जनादेश के बाद, हम इस नए मंदिर में मिल रहे हैं। मोदी ने विपक्ष से कहा, संसद में हार का गुस्सा संसद में न निकालें।

ठंड धीरे-धीरे आ रही है लेकिन अब राजनीतिक माहौल गर्म हो रहा है। चार राज्यों के नतीजे उत्साहजनक थे। ये नतीजे युवाओं, महिलाओं, किसानों और हर समुदाय, कस्बे और गांव के गरीबों के समर्थन से आए हैं। इतना अच्छा जनादेश है, हम नई संसद में बैठे हैं। इस बार आपको लंबे समय तक इस संसद में काम करने का मौका मिलेगा। नई संसद में अगर कोई कमियां होंगी तो उन्हें मिलकर दूर किया जाएगा।

देश ने नकारात्मकता को खारिज कर दिया है। इस बार भी संसद से पहले विपक्षी नेताओं से चर्चा की जाती है। मैं सभी सांसदों से अनुरोध करता हूं कि लोकतंत्र का यह मंदिर लोगों की आशाओं और आकांक्षाओं और विकसित भारत का मंच है। सभी सांसद तैयार रहें और अच्छा प्रदर्शन करें। सुझाव, लेकिन चर्चा नहीं होने पर नरेंद्र मोदी ने भी कहा है कि देश इससे वंचित है।

# चक्रवाती तूफान मिचौंग का भारी असर,कई ट्रेनें निरस्त

» दिल्ली से चेन्नई जाने वाली कई ट्रेनें हुई निरस्त।
» यात्रियों की परेशानी बढ़ी।

**नई दिल्ली,04 दिसम्बर 2023(ए)।** चक्रवाती तूफान मिचौंग से ट्रेन परिचालन पर असर पड़ा है। दक्षिण दिशा की कई ट्रेनें निरस्त कर दी गई हैं। इनमें दिल्ली से चलने वाली ट्रेनें भी शामिल हैं। इससे यात्रियों की परेशानी बढ़ गई है। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि स्थिति पर नजर रखी जा रही है। स्थिति सामान्य होते ही ट्रेनों का संचालन नियमित हो जाएगा।

# राघव चड्डा की सदस्यता बहाल

**नई दिल्ली, 04 दिसम्बर 2023 (ए)।** सोमवार को राज्यसभा की सदस्यता बहाल होने के तत्काल बाद,क्क सांसद राघव चड्ढा का भी बयान सामने आ गया है। उन्होंने कहा कि 11 अगस्त को मुझे राज्यसभा से निलंबित कर दिया गया था. मैं अपने निलंबन को रद्द करने के लिए सुप्रीम कोर्ट गया था। सुप्रीम कोर्ट ने इस पर संज्ञान लिया और अब 115 दिनों के बाद मेरा निलंबन रद्द कर दिया गया है. मुझे खुशी है कि मेरा निलंबन वापस ले लिया गया है। सदस्यता बहाली के लिए मैं, सुप्रीम कोर्ट और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ को धन्यवाद देना चाहता हूं। राज्यसभा से आम आदमी पार्टी के सांसद

राघव चड्ढा के निलंबन मामले में बड़ी खबर है। खबर है कि राज्यसभा के चेयरमैन ने उनका निलंबन समाप्त करते हुए उनकी सदस्यता बहाल कर दी है। इस फैसले को राघव चड्ढा के सियासी करिअर के लिहाज से काफी अहम और राहतभरा माना जा रहा है।

# तीन राज्यों में करारी हार को लेकर कांग्रेस नेताओं की बैठक लेंगी सोनिया गांधी

**नई दिल्ली,04 दिसम्बर 2023(ए)।** एमपी, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के खराब प्रदर्शन को पार्टी प्रमुख सोनिया गांधी बैठक लेने वाली है। इस बैठक में तीन राज्यों में खराब प्रदर्शन को लेकर मंथन किया जाएगा। इसके अलावा तेलंगाना में सीएम चुनने को लेकर भी विचार हो सकता है। पार्टी को मध्य प्रदेश में फिर सत्ता से बाहर ही रहना पड़ा है। इसके अलावा राजस्थान और छत्तीसगढ़ से उसकी सरकारें बेदखल हो गई हैं। कांग्रेस के सूत्रों का कहना है कि इस मीटिंग में सोनिया गांधी उन नेताओं से बात करेंगी, जिन्हें चुनावी राज्यों में जिम्मा सौंपा गया था।इसके अलावा वह इंडिया गठबंधन की मीटिंग को लेकर भी चर्चा कर सकती हैं। 6 दिसंबर को ही कांग्रेस ने गठबंधन की मीटिंग बुलाई है। ऐसे में सोनिया गांधी की ओर से बुलाई गई बैठक अहम है। राजस्थान में अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच अदावत चल रही थी। ऐसे में हार को लेकर दोनों गुट एक-दूसरे पर ठीकरा फोड़ सकते हैं। आने वाले दिनों में यदि राजस्थान और मध्य प्रदेश कांग्रेस में उठापटक होती है तो यह हैरानी वाली बात नहीं होगी।

# इंटरनेट बहाली के अगले ही दिन मणिपुर में पंगा

### सुरक्षाबलों को मिलीं 13 लाशें

**तेंगनौपाल ,04 दिसम्बर 2023(ए)।** इंटरनेट बहाली के अगले ही दिन मणिपुर से बड़ी खबर सामने आई है। यहां असम राइफल्स के जवानों को तेंगनौपाल जिले के लीथू गांव में 13 लोगों की लाशें मिली हैं। अधिकारियों के मुताबिक दो गुटों गोलीबारी हुई थी। एक अधिकारी ने बताया कि म्यांमार जा रहे कुछ लोगों पर इलाके में प्रभुत्व रखने वाले विद्रोहियों के गुट ने घात लगाकर हमला किया। सुरक्षा बलों को मिले शवों की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। हालांकि शवों को देखकर कर लग रहा है कि वे लोकल नहीं हैं। सुरक्षाबलों के अधिकारियों के मुताबिक, निकटतम सुरक्षा बल इस जगह से लगभग 10 किमी दूर थे। एक बार जब हमारी सेनाएं आगे बढ़ीं और उस स्थान पर पहुंचीं, तो उन्हें लीथू गांव में 13 शव मिले। सुरक्षाबलों के मुताबिक को शवों के पास कोई हथियार नहीं मिला। मामले से अवगत एक अधिकारी ने कहा, ऐसा प्रतीत होता है कि मृतक लीथु क्षेत्र के नहीं बल्कि किसी अन्य स्थान से आए मालूम पड़ते हैं।

### मोदी सरकार ने लगाया अफवाहों पर विराम

# देश में पोस्ट आफिसों का नहीं होगा निजीकरण

**नई दिल्ली,04 दिसम्बर 2023(ए)।** संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि डाकघरों का निजीकरण नहीं किया जायेगा और सरकार की ऐसी कोई मंशा भी नहीं है। वैष्णव ने सोमवार को राज्यसभा में डाक घर विधेयक 2023 पर हुई चर्चा का जबाव देते हुये कहा कि कुछ सदस्यों ने डाकघरों के निजीकरण किये जाने की आशंका जतायी है जो सही नहीं है। डाकघरों का निजीकरण नहीं किया जा रहा है और सरकार की ऐसी कोई मंशा भी नहीं है।

उन्होंने कहा कि इस विधेयक के माध्यम से डाकघर का विस्तार कर कई तरह की सेवायें शुरू करने के प्रावधान किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि डाकघर अब बैंक बन चुके हैं। डाकघर के बचत खातों में 17 लाख करोड़ रुपये से अधिक जमा है। इसके साथ ही सुकन्या समृद्धि योजना में भी एक लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि जमा है।

उन्होंने कहा कि इसके साथ ही सरकार की विभिन्न योजनाओं के लाभ भी डाकघर के माध्यम से घर घर पहुंचाये जा रहे हैं।

# अतीक अशरफ हत्याकांड के आरोपियों पर सुनवाई टली

### 18 दिसंबर को तय हो सकता है आरोप

**प्रयागराज,04 दिसम्बर 2023(ए)।** इलाहाबाद जिला न्यायालय में माफिया

अतीक अहमद और अशरफ के हत्यारोपितों की सोमवार को होने वाली सुनवाई एक बार फिर टल गई है। अगली सुनवाई की तिथि 18 दिसंबर तय की गई है। अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ के तीनों हत्यारोपितों सनी सिंह, लवलेश तिवारी और अरुण मौर्य फिलहाल चित्रकूट की जिला कारागार में निरुद्ध हैं। इन्हें जिला जज संतोष राय की अदालत में जरिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से पेश किया गया। पिछली नियत तिथि पर आरोपित शनि की ओर से पैरवी करने के लिए अदालत ने रत्नेश कुमार शुक्ल को न्याय मित्र नियुक्त किया था। जिला जज के अवकाश में रहने के कारण विचाराधीन मुकदमे की सुनवाई नहीं हो सकी। आरोपियों के विरुद्ध एसआईटी ने मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में 13 जुलाई को आरोप पत्र दाखिल किया था। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट दिनेश कुमार गौतम ने आरोप पत्र पर संज्ञान लेने के बाद मुकदमे को परीक्षण के लिए सत्र न्यायालय को सुपुर्द करने का आदेश दिया था । जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी गुलाब चंद्र अग्रहरि ने बताया कि हत्यारोपितों अरुण, लवलेश और सनी सिंह के विरुद्ध आईपीसी की धारा 302, 307, 120 बी, 419, 420, 467, 468 आईपीसी एवं आर्म्स एक्ट तथा 7 क्रिमिनल लॉ अमेंडमेंट एक्ट के तहत आरोप पत्र न्यायालय में प्रेषित किया गया है। नियत तिथि पर इन्हीं धाराओं के अंतर्गत आरोपितों पर आरोप तय होना है।

# पीएससीघोटाले को लेकर बड़ा अपडेट

**रायपुर,04 दिसम्बर 2023(ए)।** नई सरकार के मुख्यमंत्री बनने के साथ ही पीएससी घोटाले में अहम फैसले होंगे। उन प्रबंधकों और कर्मचारियों की नियुक्ति निलंबित कर दी गई है। जो अभी तक कंपनी में शामिल नहीं हुए हैं। आपको बता दें कि चुनाव प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने छत्तीसगढ़ में लगभग हर रैली में युवाओं के साथ खिलवाड़ करने के लिए पीएससी पर जोरदार हमला बोला था और जांच कराने की घोषणा की थी। जब हमारी सरकार बनेगी तो युवाओं के उत्पात से होगी, कोई नहीं बचेगा। अब तक डिप्टी कलेक्टर और डीएसपी सहित कई कैडर अधिकारियों ने पीएससी-2021 और 2022 में भाग नहीं लिया है।

## संपादकीय

# गंभीर आरोप, चिंताजनक

अब कनाडा की तरह अमेरिका आरोप लगा रहा है लेकिन इस पर भारत की प्रतिक्रिया वैसी नहीं है, जैसी कनाडा के आरोपों पर थी। तभी यह चिंता की बात लगती है क्योंकि इस तरह की घटनाओं और आरोपों से अंतरराष्ट्रीय बिरादरी में भारत की एक सभ्य, उदार और लोकतांत्रिक देश की छवि प्रभावित होती है।

खालिस्तानी अलगाववादी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की कथित साजिश में अमेरिका द्वारा भारत के एक अधिकारी के शामिल होने का आरोप लगाना सचमुच गंभीर चिंता विषय है। अमेरिका के आरोपों पर पहली प्रतिक्रिया में भारत ने कहा है कि यह 'चिंता का विषय' है और 'भारत सरकार की नीतियों के विपरीत है'। भारत ने इस मामले की जांच के लिए एक उच्चस्तरीय कमेटी भी बनाई है, जिसकी रिपोर्ट के आधार पर सरकार तय करेगी कि आगे क्या करना है। जिस दिन इस मामले का खुलासा 'फाइनेंशियल टाइम्स' द्वारा किया गया था उस दिन से भारत की एक आधिकारिक लाइन रही है। विदेश मंत्रालय की ओर से कहा जा रहा है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ऑर्गेनाइज्ड क्राइम, ट्रैफिकिंग, हथियार कारोबारियों और चरमपंथियों के बीच का नेक्सस सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा है।

इससे लग रहा है कि भारत सरकार यह बताना चाह रही है कि अगर दुनिया के किसी देश में किसी चरमपंथी की हत्या हो रही है तो या हत्या की साजिश रची जा रही है तो उसके पीछे अपराधियों के अंतराष्ट्रीय गिरोहों के आपसी टकराव का हाथ है। गौरतलब है कि पिछले कुछ दिनों में कनाडा, ब्रिटेन और पाकिस्तान में ऐसे कई अलगाववादियों और आतंकवादियों की हत्या हुई है या संदिग्ध स्थितियों में मौत हुई, जो भारत में वांछित थे। हालांकि इसके उलट भारत में यह धारणा बनाई जा रही है कि भारत विदेशों में छिपे देश के दुश्मनों का सफाया कर रहा है। सोशल मीडिया के जरिए भारत की सॉफ्ट स्टेट की छवि को बदलने की कोशिश हो रही है। कुछ समय पहले कनाडा में खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या हुई थी। तब कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिस ट्रुडो ने आरोप लगाया कि भारत की एजेंसियां इसके पीछे हैं। भारत ने न सिर्फ इसे बेतुका और आधारहीन बता कर खारिज किया, बल्कि कनाडा के साथ कूटनीतिक संबंधों में दूरी भी बनाई। अब कनाडा की तरह अमेरिका आरोप लगा रहा है लेकिन इस पर भारत की प्रतिक्रिया वैसी नहीं है, जैसी कनाडा के आरोपों पर थी। तभी यह चिंता की बात लगती है क्योंकि इस तरह की घटनाओं और आरोपों से अंतरराष्ट्रीय बिरादरी में भारत की एक सभ्य, उदार और लोकतांत्रिक देश की छवि प्रभावित होती है।

अमेरिका ने सिर्फ आरोप नहीं लगाए हैं, बल्कि वहां की एक डिस्ट्रिक्ट अदालत में एक भारतीय नागरिक के ऊपर मुकदमा भी दर्ज हुआ और कहा गया है कि साजिश रचने में शामिल रहा भारतीय नागरिक भारत की एक एजेंसी का कर्मचारी है, जो अपने को 'सीनियर फील्ड ऑफिसर' कहता है और 'सिक्योरिटी मैनेजमेंट और इंटेलीजेंस' के लिए अपने को जिम्मेदार बताता है। अमेरिकी अदालत में जिस भारतीय नागरिक पर मुकदमा दर्ज हुआ है उसका नाम निखिल गुप्ता उर्फ निक है, जिसे 30 जून को चेक गणराज्य से गिरफ्तार किया गया। जिस साजिश में उसे गिरफ्तार किया गया है वह बेहद बचकानी और हास्यास्पद है। बताया जा रहा है कि उसने पन्नू की हत्या के लिए अमेरिका में जिस व्यक्ति को संपर्क किया वह अमेरिका की सरकारी एजेंसी का ही आदमी था। उसने सारी एजेंसियों को अलर्ट कर दिया। इस तरह की खबरों से भारतीय एजेंसियों की भी किरकिरी होती है।

# यह चुनाव परिणाम नये भारत और सनातन भारत को मजबूती देने वाले हैं

भारत के राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के चुनाव परिणाम ने न केवल मतदाता के जागरूक होने का संकेत दिया है बल्कि भारत को भारतीय मूल्यों के अनुरूप विकसित होते देखने की उसकी मंशा को भी उजागर कर दिया है, इसलिये इन चुनावों में तुष्टीकरण, साम्प्रदायिकता, जातीयता के बजाय विकास एवं विकसित भारत के नाम वोट पड़े। मतदाताओं ने जो जनादेश दिया है उससे एक बार फिर सिद्ध हो गया है कि भारत में लोकतंत्र कायम है और इसकी जीवंतता के लिये मतदाता जागरूक है। मतदाता को ठगना या लुभाना अब नुकसान का सौदा है। इन चुनावों में मोदी लहर बरकरार रही, भले ही आप श्रेय चाहे 'लाड़ली बहना' को दें, तीन तलाक को दें, तीन ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था को दें, सनातन मूल्यों को दे। देश में पहली बार एक दल के नाम पर चुनाव हुए, नये भारत-सशक्त भारत के नाम पर चुनाव हुए, इन चुनावों में व्यक्ति गौण हो गए। ये चुनाव ज्यादा महत्वपूर्ण एवं उत्साह वाले इसलिये बने कि इन्हीं चुनावों को 2024 के लोकसभा चुनावों से जोड़कर देखा जा रहा था। उस लिहाज से निस्संदेह तीनों राज्यों में बीजेपी को मिली प्रचंड एवं स्पष्ट ऐतिहासिक जीत बहुत बड़ी है और बहुत कुछ बयां कर रही है। अगले लोकसभा चुनाव से चार माह पहले हुए इन विधानसभा चुनावों को सत्ता का सेमीफाइनल माना जा रहा था। उसी नजरिये से देखें तो यह सेमीफाइनल मुकाबला लगभग एकतरफा नजर आता है। उत्तर भारत के तीनों राज्यों में भाजपा ने जबर्दस्त जीत हासिल की है, जबकि दक्षिण भारत के एक और राज्य में कांग्रेस सत्ता पाने में सफल रही है। लेकिन वहां भी भाजपा का एक सीट से 8 तक पहुंचना भाजपा के लिये शुभता का संकेत है। आज भी किसी दल के नेता में यह क्षमता नहीं है कि देश की बजाय पार्टी के ध्वज तले आगे बढ़ सके, वे ही दल एवं नेता प्रभावी हैं जो देश के अस्तित्व एवं अस्मिता को नये शिखर देने के संकल्पबद्ध हैं, न कि षड्यंत्रपूर्वक किन्हीं अल्प संख्यकों को एक दल-विशेष को वोट देने को उकसा रहे हैं। जनता ने परिवारवादी सोच को नकार दिया, भ्रष्टाचार के खिलाफ जमीन पर सच देखने को मतदाता आतुर है, राष्ट्र को तोड़ने की साजिशों पर भी मतदाता सतर्क एवं सावधान हुआ है। अगले लोकसभा चुनावों में अधिक समय बाकी नहीं है। जनता की आंखें सरकारों के कामकाज पर टिकी हुई रहेंगी। कई प्रकार की अपेक्षाएं बाट जोह रही हैं। लघु जनादेश ही बड़े जनादेश का आधार बनता है। इसलिये इस बार का जनादेश विशेष है, जनता के मन में क्या है, उसकी अभिव्यक्ति है। पिछले सरकारों के दौर में सत्ता-संघर्ष के चलते जाति-धर्म और सम्प्रदायों के नाम पर देश पीछे जा रहा था, विकास अवरुद्ध था, निवेश ठहरा हुआ था, रोजगार खो गया था, देश के भीतर एवं सीमाओं पर आतंकवाद को पनपाया जा रहा था, हिंसा एवं आतंकवादी घटनाओं से देश की आत्मा लहूलुहान थी। कोई नए भारत का, औद्योगिक भारत का सपना नहीं देख रहा था। राष्ट्रवाद की चर्चा करना पाप जैसा लगता था। इन हालातों को बदलने के लिये मोदी-संकल्पों ने फिजां ही बदल दी। दलों से ऊपर उठकर देशहित, राष्ट्रीयता, विकास एवं आमजन सर्वोपरि हो गया है, इसकी सार्थक निष्पत्तियां एवं स्वर लहरियां इन चुनावों परिणामों में सुनी जा सकती है।

दरअसल, तीन राज्यों में हार से कांग्रेस की राजनीतिक चुनौतियां कई गुना बढ़ गई हैं। यह हार अपने आप में बड़ा सदमा है, कांग्रेस की सत्ताकांक्षा एवं उससे जुड़ी परिवारवादी सोच, बड़बोलापन, मुक्त रेवड़ियों का सहारा, मोदी विरोध के नाम पर घटिया शब्दावली का प्रयोग, ऐसे कारणों की समीक्षा कांग्रेस को करनी ही पड़ेगी। भाजपा की जीत का श्रेय मोदी को जाता है, पर कांग्रेस की हार की जिम्मेदारी कौन लेगा? अब आसन्न चुनौती अगले लोकसभा चुनाव और विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के आंतरिक समीकरण होंगे। नया विपक्षी गठबंधन बनने के चंद महीने में हुए इन विधानसभा चुनावों में एकजुटता के बजाय अंतर्विरोधों का ही संदेश गया और बहुत कर्कश स्वर में गया। इन चुनाव परिणामों से न केवल कांग्रेस बल्कि समूचे विपक्ष के नेताओं को सीखना होगा, सबक लेना होगा। लोकलुभावन योजनाएं एवं मुफ्त-संस्कृति काम नहीं आयेगी। महत्वाकांक्षा एवं सबसे पुरानी पार्टी होने के अहंकार से बाहर आना होगा। बुनियादी स्तर पर संगठन और आम जनता के बीच जाकर विश्वास जीतना होगा, नीति एवं नियत को बदलना होगा। भारत की राजनीति एक नये बदलाव की ओर अग्रसर है, उस बदलाव के बिन्दुओं को स्वीकारना होगा। तीन राज्यों की ऐतिहासिक जीत ने भाजपा का मनोबल निश्चित रूप से बढ़ेगा। भाजपा एवं मोदी की सोच, नीतियां, योजनाएं एवं दृष्टिकोण भी उनको अधिक साहसित एवं मनोबली बनायेंगे। उनके आदिवासी विकास का संकल्प, महिलाओं की भूमिका और 33 प्रतिशत आरक्षण का आश्वासन, समान नागरिक संहिता, सांस्कृतिक मूल्यों का विकास, युवाओं के लिये रोजगार, विश्वगुरु बनाने की कार्ययोजना, देश की सुरक्षा एवं साख जैसे गंभीर मुद्दों के निस्तारण के लिए भी मोदी ही दम रखते जान पड़ते हैं। देश को आगे बढ़ाना है तो तुष्टीकरण और भ्रष्टाचार से मुक्त होना आवश्यक है। मोदी ही गारण्टी की गारण्टी हैं, लेकिन इसमें अहंकार नहीं है, मोदी ने अपनी जगह पार्टी एवं देश की जनता को ही प्रमुखता दी, देश की जनता को हमेशा आगे रखा है। उन्होंने चुनावी सभाओं में साफ कहा कि पार्टी का चेहरा कोई व्यक्ति नहीं, बल्कि कमल का फूल है, साफ-सुथरी नीतियां हैं, देश को सशक्त बनाने का संकल्प है। निश्चित ही इस बार के चुनाव परिणाम सनातन भारत को मजबूती देने वाले हैं, सनातन का अर्थ सच्चा भारत, सच्ची मानवीयता एवं उदात्त जीवन मूल्य।

तीन राज्यों का जनादेश का केवल राजनीतिक क्षेत्र में ही महत्त्व नहीं है, इसका सामाजिक क्षेत्र में भी महत्त्व है। जहाँ राजनीति में मतों की गणना को जनादेश कहते हैं, वहां अन्य क्षेत्रों में जनता की इच्छाओं और अपेक्षाओं को समझना पड़ता है। जनादेश और जनापेक्षाओं को ईमानदारी से समझना और आचरण करना सही कदम होता है और सफलता सही कदम के साथ चलती है। भारत के लोगों ने इस देश की बहुदलीय राजनैतिक व्यवस्था के औचित्य को न केवल स्थापित किया है बल्कि यह भी सिद्ध किया है कि मतदाता ही लोकतन्त्र का असली मालिक होता है। एक दिन का राजा ही हमेशा वाले राजा से बड़ा होता है। लोकतन्त्र की खासियत इसी बात में है कि मतदाता हर पांच वर्ष बाद अपनी विकास की बात करने वाले एवं स्वस्थ मूल्यों के धारकों को उनकी काबिलियत के मुताबिक चुनता है। तीनों राज्यों में मतदाताओं को लगा कि भाजपा का शासन एवं नीतियां उनके लिए ठीक है। इन चुनावों ने कांग्रेस एवं विपक्षी दलों की सत्ता लालसा पर लगाम लगा दी है। उनके लिये ये नतीजे खतरे की घंटी भी हैं और एक चुनौती भी हैं कि मतदाताओं को हल्के में नहीं लेना चाहिए, न अपनी जागीर समझना चाहिए। आज का मतदाता जागरूक है और परिपक्व भी है। अवसर आने पर किंग मेकर की भूमिका निभाने वाली जनता उसकी भावनाओं एवं अपेक्षाओं से खिलवाड़ करने वालों को जमीन भी दिखा देती है। कांग्रेस मुक्त भारत की ओर अग्रसर पार्टी को तेलंगाना की जीत संजीवनी देने वाली है, यह जीत कांग्रेस के लिए लिए एक बड़ी राहत भी देने वाली है। लेकिन उसे समझना होगा कि रेवड़ियां बांटने की राजनीति की अपनी सीमाएं हैं और बिना विचारधारा बहुत दूर तक नहीं जाया जा सकता।

निश्चित ही भाजपा ने इन राज्यों में नया इतिहास रच डाला और नया कीर्तिमान स्थापित किया। एक बार फिर यह साबित हुआ मोदी एक राष्ट्रीय नेता एवं जन-जन की धड़कन है। प्रांतों में नरेन्द्र मोदी का वर्चस्व कायम है। तमाम आलोचनाओं के बावजूद इन नतीजों ने साबित किया कि मोदी आज भी देश के सबसे लोकप्रिय और बड़े नेता हैं और विकास के सारथी हैं। देश की जनता अब विकास पर वोट डालती है न कि मुफ्त की सुविधाओं के झांसे में आती है, उसे सुशासन एवं सुनीतियां ही स्वीकार्य हैं। भाजपा की जीत का अर्थ निश्चित ही सुशासन भी है और इससे तीनों राज्यों के लोगों के कल्याण व विकास का मार्ग प्रशस्त हो सकेगा। इसी की अपेक्षा के लिये जनता ने एकतरफा वोट डाले। मोदी ने राजनीति को एक नई दिशा दी है और वह है कि राजनीतिक चालें शुद्ध विकास एवं स्वस्थ लोकतांत्रिक मूल्यों से जुड़कर ही लम्बा जीवन पा सकती हैं।

**-ललित गर्ग-**

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

## खुशी बांटो और खुश होकर जियो

न किसी को नाराज करके जियो,  
न किसी से नाराज होकर जियो,  
गिले शिकवे को मिटाकर जियो,  
खुशी बांटो और  
खुश होकर जियो।  
दो पल की है ये जिंदगी,  
यूं ही न बीत जाए ये पल,  
हर पल को मुस्कुराकर जियो,  
खुशी बांटो और  
खुश होकर जियो।  
इंसान की इंसानियत कम न हो,  
इंसान हो इंसान बनकर जियो,  
सभी को हंसी देकर जियो,  
खुशी बांटो और  
खुश होकर जियो।  
जिंदगी एक बार मिलती है,  
नहीं मिलेगी यह दोबारा,  
जिंदगी जीने का नाम है,  
जीवन के हर पल को  
जीभरकर जियो,  
खुशी बांटो  
और खुश होकर जियो।  
दुख बांटने से कम होती है,  
खुशी बांटने से बढ़ती है,  
इसलिए खुलकर हंसकर जियो,  
खुशी बांटो  
और खुश होकर जियो।

**श्याम सुंदर साहू**  
राजिम, गरियाबंद (छत्तीसगढ़)

## कौन यहाँ किसके लिए जीता है साहब?

रोज नहीं पर कभी-कभार,  
प्रशंसा रूपी अमृत की जरूरत  
पड़ती है,  
अमृत ना सही नीर से भी शक्ति  
जरूर बढ़ती है ।1।  
जीवन भर किसी का साथ किसे  
मिला है?  
अपने भाव की समझ खुद ही  
उकेरनी पड़ती है ।2।  
कौन यहाँ किसके लिए  
जीता है साहब?  
जीने के लिए भी जिन्दगी  
समझनी पडती है ।3।  
घन्टों की भी गिनती  
चौबीस है यारों,  
जीवन को तो अनगिन  
विषमताओं से लड़नी पड़ती है।4।  
सन्धि समास संज्ञा...  
व्याकरण की समस्याएं!  
रचना छंदमुक्त तो कभी छंदबध्ध  
होकर लिखनी पड़ती है।5।  
आज ऊबकर एक तरफ  
हो जाने को दिल चाहता है,  
हर रोज ही रोजमर्रा के लिए  
रोजी रोटी ढूँढ़नी पड़ती है।6।  
चलो रे मन आज घूम आते हैं  
कहीं सफर से,  
क्या प्रतिभा तुम भी; मुझे तो हर  
बेला देशाटन करनी पड़ती है ।।

**प्रतिभा पाण्डेय प्रति**  
चेन्नई  
तमिलनाडु

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

## कहां गए

कहां गए वो प्यारी -प्यारी बातें,  
जिसमे भरे थे खुशियों के खजाने...  
कहां गए वो प्यारे- प्यारे लम्हें,  
जब पूरा घर बच्चे के किलकारियों  
से गूंज उठता था....  
कहां गए वो प्यारे लम्हें,  
जब बाप और बेटा एक ही थाली में  
भोजन करते थे....  
कहां गए वो पल,  
जब सभी एकसाथ बैठ कर पुरानी  
यादों को ताजा करते थे ....  
कहां गए वो प्यारे प्यारे घर ,  
जिसमे सभी लोग एक सयुक्त  
परिवार की तरह रहते थे ......  
कहां गए वो आश्रम,  
जहां हमें शिष्टाचार  
सिखाया जाता था....  
कहां गए वो प्यारे- प्यारे लम्हें,  
जिसमें भरे थे खुशियों के  
खजाने.....।

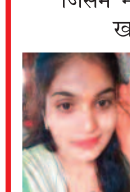

**प्रतिमा साहू**  
आमाचानी  
भोथीडीह  
मगरलोड  
धमतरी  
छत्तीसगढ़

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

**समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।**

### एम एस केशरी पब्लिकेशन द्वारा आयोजित नवम्बर माह की राष्ट्र स्तरीय कविता प्रतियोगिता में

# 80 प्रतिभागियों नें बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया

**मुजफ्फरपुर,04 दिसम्बर 2023।** एम एस केशरी पब्लिकेशन द्वारा आयोजित नवम्बर माह की राष्ट्र स्तरीय कविता प्रतियोगिता में 80 प्रतिभागियों नें बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। यह प्रतियोगिता हर माह आयोजित किया जाता है जिसमें टॉप -3 और सुपर-30 विजेता चुनें जाते हैं जिन्हें सम्मान पत्र, प्रशंसा पत्र और पोस्टर देकर सम्मानित किया जाता है साथ ही निशुल्क साझा संकलन पुस्तक प्रकाशित करवानें का मौका ससम्मान दिया जाता है। नवम्बर माह के प्रथम विजेता सनल कक्काड केरल, द्वितीय विजेता विशाल जैन पवा,तृतीय विजेता मनोज कुमार पुरोहित,निखिलेश, सपना सी पी स्वप्रिल, मधु माहेश्वरी, मानसी सविता, विमल फरीदाबादी, कवि गुरप्रीत सिंह कुरुक्षेत्र, श्रीमती उषा चतुर्वेदी भोपाल,नीलम राजपूत नीली , मधुस्मिता नायक, संगम लाल मौर्य, सतेन्द्र कुमार सागर ,आचार्य मूलचन्द्र शर्मा निर्मल , मुकेश कुमार दुबे दुर्लभ ,तमन्ना परवीन, कवि अमित अल्प, सौदाबी केरल,डॉ फूल कुमार राठी, बलराम सोनी, नीरज यादव, श्वेता कुमारी, डॉ सुनील बहल, राजवीर सिंह तरंग, रूद्र प्रताप सिंह, वीरेन्द्र जैन, सौ शारदा मालपानी, रचना, रीति झा, बृजकिशोरी त्रिपाठी, चंद्रकला भरतिया , बलराम यादव देवरा, रेनू बाला सिंह, डॉ रामचन्द्र स्वामी, चन्द्र प्रकाश , नीता गुप्ता, अरुण गुप्ता, डॉ शरद नारायण खरे, हरे कृष्ण प्रकाश, डॉ मंजू महेश, विद्या बाहेती, गनेश यादव गौरव, हरमिन्द कौर, डॉं सत्यबीर सिंह निराला, डॉ योगिता सिंह हंसा, ऋतु दीक्षित, कान्ति, कु कविता आधार चव्हाण,आनन्दकृष्णन एड़चेरी, आनन्द कुमार मित्तल, मोनिका बाहेती, यशोधरा यादव यशो, ऋतु अग्रवाल, डॉ.यल.कोमुरा रेड्डी, कवि अमन रंगेला, खेमू पाराशर, आशा बसंल, प्रतिभा द्विवेदी मुस्कान, आकांक्षा कुलश्रेष्ठ, रजत त्यागी, किशोरी लाल जैन बादल, सुधीर कुमार पंडा, राकेश राज भाटिया, दीन दयाल दीक्षित दीन, प्रभा बैगानी, चंदना दत्त, ऋतु गर्ग चहेती, कवि छगनलाल, रमेश मालचिमणे, ऊषा भदूला, देवी प्रसाद पाण्डेय, विकास अग्रवाल बिंदल, अंतिमा रैकवारआदर्श पाण्डेय हर्ष, डॉ हिमांशु बडोनी दयानिधि, रमेश खुडियाल,अर्पणा आर्या, डॉ पल्लवी सिंह, बालकवि आयुष यादव थे।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

# बातूनी महिलाएं भी अब सोशल ओक्वर्डनेस की समस्या का अनुभव करने लगी हैं...

**स्नेहा सिंह**  
नोएडा  
उत्तरप्रदेश

अभी-अभी अंग्रेजी में एक वाक्य पढ़ने को मिला है कि आई एम सोशयली ओक्कर्ड। आजकल यह वाक्य कुछ अधिक ही सुनने को मिल रहा है। लोग इसे स्वीकार भी करने लगे हैं, साथ ही साथ इससे कभी-कभी परेशानी का भी अनुभव करते हैं। वैसे तो पुरुषों की अपेक्षा महिलाओं को बातूनी कहा जाता है। पुरुष जल्दी व्यक्त नहीं होते, जल्दी दूसरों से घुलमिल नहीं पाते, पर महिलाएं आसानी से घुलमिल सकती हैं, इसमें अगर उनकी पसंद के लोग हों तो वहां तो महिलाएं आसानी से दिल खोल सकती हैं। खैर, अब सोशल मीडिया और मोबाइल के युग में यह बात नहीं रही। अब महिलाएं भी सोशयली ओक्कर्डनेस का अनुभव करती हैं। अलबत्त, सोशल मीडिया या मोबाइल का इसमें दोष नहीं है। इसमें हमारी लाइफस्टाइल भी उतनी ही जिम्मेदार है। सच पूछो तो सोशयली ओक्कर्डनेस नौकरी करने वाली महिलाएं अधिक अनुभव करती हैं। एक ऐसे ही छोटे उदाहरण से बात करते हैं। नौकरी करने वाली माएं आप को स्कूल में पीटीएम यानी कि पैरेंट्स टीचर मीटिंग के दौरान ही देखने को मिलती हैं। उस समय उन्हें अनुभव होता है कि उनका बच्चा स्कूल में क्या करता है, डे बाई डे वे इसकी जानकारी नहीं रख पाती हैं। महीने में एक बार स्कूल आना होता है, उस समय बच्चे को रोजाना स्कूल छोड़ने और ले जाने वाली माओं की अपेक्षा उन्हें जानकारी कम होती है। भले ही वह पढ़ाई के मामले में कितनी सजग क्यों न हों, फिर भी हाउसवाइफ मम्मा का जो ग्रुप होता है, उसमें वे घुलमिल नहीं सकतीं। मम्मियां स्कूल के फंकशन में मिलती हैं तो अनुभव होता है कि हाउसवाइफ मम्मी जितनी आसानी से एकदूसरे से इंटरेक्शन कर सकती हैं, उतना इंटरेक्शन वर्किंग मम्मियां नहीं कर सकतीं। तमाम बातों की तो उन्हें जानकारी ही नहीं होती, क्योंकि वे रोजाना तो स्कूल आ नहीं सकतीं। जबकि ऐसा मात्र स्कूल मीटिंग में ही होता है ऐसा नहीं है। ऐसा सामाजिक कार्यक्रमों और सोसायटी की मीटिंगों में भी होता है। घर के मौकों पर भी ऐसा ही होता है।

**क्या है सोशल ओक्कर्डनेस**

यह शब्द वैसे तो साइकोलॉजिकल टर्म्स का है। सोशयली मतलब कि सामाजिक मिलाप, अपने घर के सदस्यों (पति, माता, पिता और बच्चे) के अलावा किसी अन्य से बातचीत करने में घबराहट होना, एंजायटी फील होना, परेशानी का अनुभव होना या मिलनेजुलने पर जल्दी भाग जाने का मन होना, इसे सोशयली ओक्कर्डनेस का अनुभव करना कहते हैं। यहां हम इतने मजबूत सिस्टम्स की बात नहीं कर रहे हैं। यहां सामान्य लक्षणों की बात हो रही है, जो अपनी व्यस्तता के कारण हम अनुभव कर सकते हैं। व्यस्तता के साथ मोबाइल के अधिक उपयोग के कारण भी ऐसा अनुभव होता है। आप विचार कीजिए कि आप किसी से मिल रही हैं, किसी से मिलती हैं तो उसका अभिवादन करती हैं, उसके साथ औपचारिक बातें करती हैं। लगभग पांच से दस मिनट बात करने के बाद जब उस व्यक्ति के साथ अधिक देर तक खड़े होना पड़ता है तो आप को लगता है कि अब क्या बातें करें? आगे क्या कहें? उस समय शायद एक ही बात बारबार रिपीट करें या फिर इधर-उधर देखने लगें या फिर वहां से जाने का कारण ढूंढ़ने लगें। अब दूसरा शस्त्र मोबाइल भी है। किसी से मिलने और औपचारिक बातचीत करने के बाद उसमें लगे रहने का मन होता है, उसमें इंगेज होने का मन होता है। अगर आपको भी ऐसा होता है तो इसे सोशल ओक्कर्ड कह सकते हैं। इसमें एंजायटी या अनइजिनेस न फील हो बस। आप को अमुक समय बाद सामने वाले से क्या बात करनी है यह नहीं सूझता। इसका कारण मोबाइल भी है और अपनी व्यस्तता भी है। आतेजाते हमारा सगे-संबंधियों से मिलना न हुआ हो तो जब मिलते हैं तो अमुक समय बाद अनुभव होता है कि क्या बात करें, क्योंकि हम अपनी रूटीन लाइफ में इतना व्यस्त होते हैं कि अन्य बातों पर ध्यान नहीं दे पाते।

**मोबाइल और व्यस्तता दोनों जिम्मेदार**

आप सोशियली ऐक्टिव न हों, आप के पास इतना समय ही न हो तो आप अपने आसपास मिलनेजुलने का आयोजन हो रहा हो और उसमें आप का जाने का मन हो और उसमें आप जा न पाएं और फिर जाना हो तो ऐसा अनुभव होता है कि दूसरे लोगों के ग्रुप में कहीं अकेली रह गई हैं। क्योंकि उन लोगों की तरह बारबार एकदूसरे से मिल नहीं सकतीं। कभी-कभार तो ऐसा भी होता है कि आप आते जाते मिल नहीं सकतीं और गेट टू गेदर में जा नहीं सकतीं तो लोग घमंडी का टैग दे देते हैं। सही में यह घमंडीपन नहीं होता। यह बस समय का अभाव होता है, पर हम इस बात को एक्सप्लेन नहीं कर सकतीं। इनके नजदीक रहने वाले लोग यह जानते हैं कि व्यक्ति स्वभाव से अच्छा है, निखालस है। बस उसके पास इतना समय नहीं है कि वह अपनी निखालसता लोगों को बता सकें। कभी-कभार हम कम बोलने वाले लोगों के बारे में भी ऐसी धारणा बना लेते हैं कि यह घमंडी है, पर सच पूछो तो उसके नजदीक जाने के बाद, उससे थोड़ा हिलनेमिलने के बाद हमारी समझ में आता है कि यह व्यक्ति तो बिलकुल ही घमंडी नहीं है।

**सोशल ओक्कर्डनेस का अनुभव न हो, इसके लिए क्या करें**

नौकरी करने वाली महिलाएं या मोबाइल का अधिक उपयोग करने वाली महिलाएं, जिन्हें इस तरह की सोशल ओक्कर्डनेस का अनुभव होता हो, उन्हें समय-समय पर लोगों से बातें करते रहना चाहिए। भले ही रूबरू न मिल सकें, फोन द्वारा, याद रखे मैसेज द्वारा नहीं, काल कर के काल पर बात करें। फोन द्वारा मित्रता बनाए रखें। इसके अलावा छुट्टी के दिनों में लोगों से मिलेंजुलें। लोगों से जितना मिलेंगी, सोशल ओक्कर्डनेस उतनी ही दूर होगी।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

# समय के यथार्थ संयोजन से जीवन को समर्थ बनाएं

**समय का एक-एक क्षण महत्वपूर्ण**

**संजीव ठाकुर,**  
चौबे कॉलोनी  
रायपुर  
छत्तीसगढ़

समय के समग्र मूल्य को बेंजामिन फैंकलीन ने पहचानते हुए कहा था बीता हुआ समय कभी वापस नहीं आता है। यह वाक्य अत्यंत यथार्थ भी है, खोया हुआ धन अर्जित कर सकते हैं पर खोए हुए वैभव और समय के महत्वपूर्ण क्षण को पुनः प्राप्त नहीं किया जा सकता।समय को एक बार खो देने के बाद वापस प्राप्त करना बहुत मुश्किल ही नहीं असंभव है।इसीलिए यह कहावत कही गई है ÷काल करे सो आज कर, आज करे सो अब, पल में परलय होएगी बहुरि करेगा कब÷प्रसिद्ध लेखक मेसन ने समय को महिमामंडित करते हुए कहा है सोने के कण की तरह समय का हर क्षण मूल्यवान है। प्लेटफार्म पर खड़ी रेलगाड़ी भी अपने यात्रियों का इंतजार नहीं करती और देर से पहुंचने वाले यात्री हाथ मलते रह जाते हैं,उनके पास अफसोस करने के अलावा कुछ नहीं रह जाता।समय और समुद्र की लहरें किसी की प्रतीक्षा नहीं करती, समय के महत्व को दर्शाते प्रकृति के कई उदाहरण भी हैं, बरसात के समय वर्षा देर से आने से कृषि सूख जाती है. इसलिए कहा गया है ÷का वर्षा जब कृषि सुखावे,÷ इसीलिए इतिहास में महान लोगों ने समय के साथ निज के अनुशासन और श्रम के महत्व को अपने जीवन में अपनाकर अपने आप को बड़ा बनाकर इतिहास में अपना नाम स्थापित किया हैद्य समाज में जितने भी प्रसिद्ध, नामचीन और महान बने हैं, या उदाहरण देने लायक बने हैं, उन सब ने समय को समय देकर अपने आप को समाज में अग्रणी स्थान पर स्थापित किया है,और हजारों,लाखों लोग उनका सम्मान कर उनका अनुसरण भी करने लगते हैं। समय का महत्व और निज पर शासन फिर अनुशासन एक दूसरे से जुड़े तथा पर्यायवाची ही है। जिसमें भी समय के महत्व को समझते हुए उसका अनुशासन के साथ उपयोग किया है,वे अपनी जिंदगी में आर्थिक सामाजिक एवं वैश्विक रूप से अपने आप को सफल बना चुके हैं। विद्वानों में यह भी कहा है कि जो कार्य जिंदगी में आप को सबसे कठिन एवं क्लिष्ट लगने लगता है, उसे समय और अनुशासन के साथ सबसे पहले किया जाना चाहिए, और तब तक करना चाहिए जब तक वह कार्य अपनी परिणति तक ना पहुंचे, और ऐसी प्रक्रिया से आप सफलता की सीढ़ी चढ़कर एक सफलतम व्यक्तित्व बन सकते हैं। और सफल व्यक्ति ही समाज को दृढ़ समृद्ध और महान बना सकता है। पश्चिमी देशों में इंग्लैंड का नाम इसीलिए भी ग्रेट ब्रिटेन और यूनाइटेड किंगडम कहा जाता है उन्होंने अनुशासन और समय का सर्वाधिक सदउपयोग कर पूरे विश्व में किसी समय राज किया था। हालांकि समय और अनुशासन का उन्होंने दमन नीति अपनाकर अनुचित उपयोग भी किया था। सकारात्मक रूप से भारत के वैज्ञानिको ने समय तथा अनुशासन का पालन करते हुए अपने अन्वेषण और शोध में कठोर श्रम करके जो भी नवीन उपलब्धियां हासिल की, वह वैश्विक रूप से स्वीकार हुई, और उन्हें अनेक राष्ट्रीय,अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार भी प्राप्त हुए। जो व्यक्ति अपना निश्चित कार्यक्रम बना कर मानसिक वृत्तियों को संयमित, मर्यादित कर कार्य करता है, उसे जीवन संग्राम में अवश्य बड़ी सफलता अर्जित होती है।समय के महत्व को समझने के लिए वैसे तो सभी वर्गो के लिए यह आवश्यक है, पर समय की महत्ता का सर्वाधिक महत्व विद्यार्थियों के लिए होता है। जो विद्यार्थी समय को महत्व को समझते हुए अनुशासित तरीके से मेहनत करता है उसे परीक्षाओं में दिल से सफलताएं प्राप्त होती हैं और प्रतियोगी परीक्षाओं में समय के महत्व को ध्यान में रख पढ़ाई करके वह बड़ी-बड़ी परीक्षाएं उत्तीर्ण कर बड़े-बड़े पदों को प्राप्त करते हैं बोलतें हैं कि जीवन में समय का दुरुपयोग एक तरह से आत्महत्या के समान है। समय का दुरुपयोग जीवन की सफलता का प्रमुख कारण है। क्योंकि समय के व्यतीत हो जाने के बाद अफसोस करने से गुजरा हुआ समय वापस नहीं लौटता और व्यक्ति के पास पछताने के अलावा कुछ नहीं बच पाता।युवा वर्ग को खासकर शरीर को स्वस्थ रख समय पर निंद्रा, भोजन,व्यायाम करने की आदत डाल लेना चाहिए,वैसे तो युवा वर्ग को समयानुसार अलसुबह उठकर ताजी हवा लेने का नियम बनाकर ब्रह्म मुहूर्त में अध्ययन करने की नियमावली बना लेना चाहिए।देर से उठने वाले हर काम देरी से करने के लिए मजबूर हो जाते हैं ,समय पर कार्य करने से मनुष्य की व्यक्तिगत प्रगति तो होती ही है उसके निजी व्यक्तित्व में भी विकास तथा चार चांद लग जाते हैं। एक विद्वान ÷पेरिक्लेस÷ ने समय को सबसे बड़ा बुद्धिमान सलाहकार माना है।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

# आपसी कलह के कारण संभाग के सभी 14 सीटों पर कांग्रेस का सूपड़ा साफ

## सरगुजा संभाग में चुनाव परिणाम काफी चौंकाने वाला आया सामने

## लोगों का कहना है कि इस विधानसभा चुनाव में भी मोदी लहर देखी गई...

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 04 दिसम्बर 2023 (घटती-घटना)।

सरगुजा संभाग में चुनाव परिणाम काफी चोकाने वाला सामने आया है। सभी 14 सीटों पर भाजपा ने कब्जा जमाया है। वर्ष 2018 में ठीक यही परिणाम कांग्रेस को हासिल हुआ था और इस बार भाजपा ने ऐसा कर बड़ी जीत हासिल की है। अंबिकापुर से भाजपा प्रत्याशी राजेश अग्रवाल 94 वोट से जीते। वहीं सीतापुर से रामकुमार टोप्पो ने 17160, लुंड्रा से प्रबोध मिंज 24128, प्रेमनगर से भुलन सिंह मरावी 33290, प्रतापपुर से शकुंतला पोर्ते 11708 , भटगांव से लक्ष्मी राजवाड़े 43962, सामरी से उद्धेश्वरी पैंकरा 13943 व रामानुजगंज से रामविचार नेताम ने 29663 वोट से जीत हासिल की है। भाजपा की बड़ी जीत के बाद सभी जिला मुख्यालयों से लेकर प्रत्याशियों के गृह ग्राम में जीत का जमकर जश्न देखने को मिला। कार्यकर्ताओं ने ढोल-नगाड़ों के बीच आतिशबाजी करते हुए मिठाइयां बांटकर खुशी मनाई। जगह-जगह रैली भी निकाली गई। कांग्रेस पिछले 5 साल आपस में ही कुर्सी की लड़ाई के कारण विधानसभा में ध्यान नहीं दिया। इसके अलावा चुनावी घोषणा पत्र को पूरा करने में खरा नहीं उतरने, वहीं आपसी गुटबाजी के कारण कांग्रेस को हर का सामना करना पड़ा। वहीं लोगों ने भाजपा के जीत का कारण मोदी लहर बताया है। लोगों का कहना है कि इस विधानसभ चुनाव में भी मोदी लहर देखी गई है। इसके अलावा महतारी बंधन योजना लागू करने की घोषणा के साथ चुनाव से पूर्व अधिकांश घरों में फार्म भरवाए जाने से महिला वोटरों में बीजेजी के प्रति रूझान देखा गया। इस लिए महिला वोटरों ने भाजपा के पक्ष में खुलकर वोटिंग किया और एतिहासिक जीत दिलाई है। इसके बलावा मोदी गरांटी के साथ-साथ भाजपा के चुनावी घोषणा पत्र भी जीत का कारण सामने आ रहा है। जीत के बाद भाजपा प्रत्याशी पूर्व सैनिक रामकुमार टोप्पो ने बतौली स्थित भारत माता मंदिर से रविवार देर रात विजय रैली की शुरुआत की। भारत माता को माल्यार्पण के बाद रामकुमार टोप्पो ने कार्यकर्ताओं से जीत का माला पहना। निर्वाचित विधायक ने कहा था चुनाव जीतने के बाद ही माला पहनूंगा। जीत के बाद भाजपा प्रत्याशी पूर्व सैनिक रामकुमार टोप्पो ने बतौली स्थित भारत माता मंदिर से रविवार देर रात विजय रैली की शुरुआत की। भारत माता को माल्यार्पण के बाद रामकुमार टोप्पो ने कार्यकर्ताओं से जीत का माला पहना। निर्वाचित विधायक ने कहा था चुनाव जीतने के बाद ही माला पहनूंगा। रामकुमार टोप्पो ने बतौली के भारत माता मंदिर से पूजन अर्चना के बाद तीन माह पूर्व तिरंगा यात्रा निकाली थी। 4 सितम्बर को सेना से इस्तीफा देने के बाद बतौली से तिरंगा यात्रा निकाल कर राजनैतिक जीवन मे प्रवेश किया था। तिरंगा यात्रा में हजारों का जनसमूह शामिल हुआ था। चुनाव में ऐतिहासिक मतों से विजयी होकर रविवार देर रात 10 बजे भारत माता मंदिर में जाकर पूजा अर्चना की और अपने कार्यकर्ताओं को जो हजारों की संख्या में बगीचा चौक स्थित भारत माता मंदिर में इंतजार कर रहे थे उन्हें सम्बोधित करते हुए रामकुमार टोप्पो ने कहा यह आप सभी कार्यकर्ताओं की जीत है। कांग्रेस के आतंक और घोटालों, जमीन दलालों को सत्ता से दूर कर दिया आप सबने। सही मायनों में देखा जाए तो आजादी के बाद सीतापुर विधानसभा अब आजाद हुआ है।

### हारकर मैदान नहीं छोड़ूंगा

कांग्रेस की करारी हार के बाद सोमवार को टीएस सिंहदेव ने बयान जारी कर कहा कि विचारधारा, परिवर्तन और प्रगति का यह संघर्ष निरंतर चलता रहेगा। टीएस सिंहदेव ने कहा कि छत्तीसगढ़ और अंबिकापुर की जनता का जनादेश विनम्रता से स्वीकार करते हैं। विचारधारा, परिवर्तन और प्रगति का यह संघर्ष निरंतर चलता रहेगा। अंबिकापुर वासियों के साथ रिश्ता अटूट है, आपके स्नेह के लिए सदैव धन्यवाद। आपके हक की आवाज उठाने के लिए हमेशा की तरह आगे भी समर्पित रहूंगा। हार के मैदान नहीं छोड़ूंगा। अगर जीत जाता तो अगली पीढ़ी को विरासत सौंपा देता। लेकिन हार गया हूं तो मैदान में डटे रहूंगा।

### अमरजीत भगत का मूँछ का क्या होगा

छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार में खाद्य मंत्री रहे अमरजीत भगत चुनाव हार गए हैं। लगातार 3 बार इस सीट से विधायक चुने गए भगत को भाजपा के नए चेहरे राम कुमार टोप्पों 17160 वोट से हरा दिया है। न केवल भगत हारे हैं बल्कि प्रदेश से कांग्रेस सरकार का भी पत्ता साफ हो गया है। ऐसे में लोग अमरजीत भगत के उस दावे का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल कर रहे हैं जिसमें भगत ने छत्तीसगढ़ में फिर से कांग्रेस की सरकार बनेने का दावा किया था। रौबदार मूंछ रखने वाले खाद्य मंत्री रहे भगत ने न केवल प्रदेश में फिर से कांग्रेस की सरकार बनने का दावा किया था बल्कि राज्य में फिर से सरकार नहीं बनने पर अपनी मूंछ मुडवा देने की बात कही थी। अब भाजपा के नेता भगत का वही पूरा वीडियो वायरल कर रहे हैं और पूछ रहे हैं कि मूंछ कब मुंडवा रहे हैबता दें कि सीतापुर सरगुजा संभाग में आता है। संभाग में कुल 14 सीटें हैं। 2018 के चुनाव में कांग्रेस ने सभी 14 सीटों पर जीती थी, लेकिन इस बार सरगुजा संभाग पूरी तरह कांग्रेस के हाथ से निकल गया है। सभी 14 सीटों पर इस बार भाजपा ने जीत दर्ज की है।

## पुरुष-महिला ताइक्वांडो प्रतियोगिता का आयोजन

- संवाददाता -

अंबिकापुर, 04 दिसम्बर 2023 (घटती-घटना)। सरस्वती महाविद्यालय सुभाष नगर अंबिकापुर में संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय के अंतर महाविद्यालयीन पुरुष-महिला ताइक्वांडो प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें राजीव गांधी पीजी कॉलेज, गर्ल्स पीजी कॉलेज, होली क्रॉस कॉलेज, साइ कॉलेज, केआर कॉलेज, सूरजपुर कॉलेज आदि महाविद्यालय के लगभग 20 खिलाड़ियों ने भाग लिया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ बीपी तिवारी ने सभी खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करते हुए जीत की शुभकामनाएं दी। सर्वप्रथम महिला वर्ग के प्रतिभागियों ने भाग लिया इसके पश्चात पुरुष वर्ग के प्रतिभागियों ने भाग लिया प्रतियोगिता में निर्णायक व रेफरी के साथ-साथ सभी कोच व मैनेजर ने प्रतियोगिता को सफल बनाने में सहयोग दिया।

## कलयुगी पुत्र ने अपने पिता को उतारा मौत के घाट,पुलिस ने किया गिरफ्तार

- संवाददाता -
लखनपुर,04 दिसम्बर 2023 (घटती-घटना)।

लखनपुर मामला थाना क्षेत्र के ग्राम जमगला टिकरापारा में कलयुगी पुत्र ने अपने पिता को मौत के घाट उतार दीया । घटना की सूचना मिलते ही लखनपुर पुलिस घटना स्थल पहुंच शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करा परिजनों को सुपूर्द कर मामले की जांच में की जा रही थी। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक 3 दिसम्बर दिन रविवार के सुबह लगभग 6 बजे तेली राम पिता हीरालाल सोनवानी अपने पिता हीरालाल सोनवानी से पैसा मांगा

हीरालाल घासी ने अपने पुत्र को चावल खरीदने सौ रूपये दिये बाद इसके पुत्र अपने पिता से और पैसे की मांग करते हुए विवाद करने लगा। पैसा नहीं देने पर क्रोध में आकर अपने पिता हीरालाल सोनवानी पर डंडे ताबड़तोड़ प्रहार कर दिया। सर सहित शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोट आने पर हीरालाल सोनवानी की मौत हो गई।

नंदलाल सोनवानी मौके वारदात पर जाकर देखा हीरालाल सोनवानी लहूलुहान मृत हालत में ज़मीन पर पड़ा हुआ है। अरोपी पूत्र तेली राम आ0 हीरालाल सोनवानी उम्र 42 साल को 302 के तहत गिरफ्तार किया गया।

## दंतैल हाथी के हमले से विक्षिप्त युवक की दर्दनाक मौत

- संवाददाता -
सीतापुर,04 दिसम्बर 2023 (घटती-घटना)।

वन विभाग के अथक प्रयासों के बाद भी क्षेत्र में जंगली हाथियों का प्रकोप थमने का नाम नही ले रहा है।बीती रात वन विभाग द्वारा जशपुर जिले के जंगल में खदेड़े जाने के बाद भी जंगली हाथी वापस जंगल लौट आया।इस दौरान जंगल किनारे एक विक्षिप्त युवक को घूमता देख हाथी ने उस पर हमला कर दिया।जिससे युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।इस घटना के बाद मौके पर पहुँचे वन विभाग के अधिकारियों ने युवक का पीएम करा शव परिजनों को सौप दिया।

उक्त घटना ग्राम एरंड से बेनई जाने वाले मार्ग की है।जहाँ 4 बजे भोर में जंगल किनारे घूम रहे 35 वर्षीय विक्षिप्त युवक कलेश्वर नागवंशी आ ठिना राम निवासी एरंड के ऊपर दंतैल हाथी ने हमला कर दिया।जिससे युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।इस घटना से पहले वन विभाग के अधिकारियों ने बतौली क्षेत्र के सलेयाडीह जंगल मे अकेले भटक रहे इस दंतैल हाथी को जशपुर जिले के जंगल तक खदेड़ दिया था।अधिकारियों ने घेराबंदी करते हुए दंतैल हाथी को तीन बजे भोर में जशपुर जिले के सरहद पर स्थित जंगल तक छोड़कर आये थे।जहाँ से वापस लौटकर जंगली हाथी 4 बजे भोर में ग्राम एरंड के जंगल पहुँच गया।इसी दौरान उसका सामना एरंड से बेनई मार्ग पर भटक रहे एक विक्षिप्त युवक से हो गया।जिस पर दंतैल हाथी ने जानलेवा हमला कर दिया और पैरों से रौंदकर उसे मार डाला।इस घटना की सूचना के बाद पुलिस बल के साथ वन विभाग के अधिकारी मौके पर पहुँचे।घटना स्थल से मृतक का शव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया।जहाँ पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

इस संबंध में वन परिक्षेत्राधिकारी विजय कुमार तिवारी ने बताया कि इस हादसे के बाद पीड़ित परिवार को उपवनमण्डलाधिकारी प्रेमचंद्र मिश्रा द्वारा 25 हजार रुपये की तात्कालिक सहायता राशि प्रदान की गई है।सप्ताह भर के अंदर मुआवजे की शेष राशि 5 लाख 75 हजार पीड़ित परिवार को दे दिया जायेगा।

## मेरी जीत क्षेत्र की जनता की जीत:भूलन सिंह

» नवनिर्वाचित विधायक 1ने कहा कि क्षेत्र का विकास व समस्याओं के समाधान की दिशा में तेजी से होंगे काम

- संवाददाता -
सूरजपुर,04 दिसम्बर 2023 (घटती-घटना)।

प्रेमनगर विधानसभा क्षेत्र के नवनिर्वाचित विधायक भूलन सिंह मरावी ने कहा कि मेरी यह जीत पूरे प्रेमनगर विधानसभा क्षेत्र की जनता की जीत है। अब तक के इतिहास में प्रेमनगर से सर्वाधिक मतों से जीत का यहां रिकॉर्ड बना है।जनता के इस प्यार के लिए हृदय से आभार व्यक्त करता हूं।

नवनिर्वाचित विधायक भूलन सिंह ने कहा कि प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने जा रही है। यह जनादेश हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी और उन पर जनता के विश्वास का जनादेश है। इस चुनाव में देश के गृह मंत्री अमित शाह का मार्गदर्शन मिलता रहा। पार्टी प्रदेश अध्यक्ष अरूण साव व पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताओं और विशेषकर भाजपा कार्यकर्ताओं की बदौलत हमें 33291 हजार से यह भारी जीत मिली है। यह जीत बताती है कि प्रदेश की जनता कांग्रेस सरकार से कितनी त्रस्त थी। उन्होंने विश्वास जताने के लिए जनता जनार्दन का धन्यवाद किया है और विश्वास दिलाया है कि वे क्षेत्र के विकास व जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का हरसंभव प्रयास करेंगे। श्री सिंह ने कहा कि सरकार के गठन के साथ ही क्षेत्र में विकास की शुरुआत होगी और लोगों की समस्याओं के समाधान की दिशा में काम शुरू होंगे। पिछले पांच साल में क्षेत्र के विकास के जो काम रूके हुए थे ,उन्हें शुरू कराकर तेजी से पूरा कराने के प्रयास होंगे। प्रेमनगर में विकास की असीम संभावनाएं हैं। क्षेत्र के प्रबुद्धजनों से मिलकर विकास की नई योजनाएं तैयार की जाएंगी।

## राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में 41 वां स्थापना दिवस मनाया गया

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 04 दिसम्बर 2023 (घटती-घटना)।

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अंबिकापुर के भूगोल विभाग के 41 वें स्थापना दिवस के अवसर पर बनारस हिंदू विश्वविद्यालय वाराणसी से पधारे प्रोफेसर व्ही .के. राय ने कहा कि भूगोल एक समग्र और अन्तर्सम्बंधित क्षेत्र का अध्ययन है जो कि विभिन्न स्तरों पर स्थानिक संरचनाओं में होने वाले परिवर्तनों के अध्ययन से जुड़ा हुआ है । वर्तमान में भूगोल में जो नवीन तकनीक के अनुप्रयोग का प्रचलन बढ़ा है उसे रिमोट सेंसिंग तथा जी आई एस कहा जाता है। पृथ्वी के दिन प्रतिदिन के बदलते स्वरूप को समझने के लिए उपग्रह प्रणाली आधारित डाटा एवं कंप्यूटर आधारित सॉफ्टवेयर महत्वपूर्ण हो चला है। भूगोल को व्यवहारिक एवं वैज्ञानिक विषय की श्रेणी में रखने के लिए गणितीय मॉडल कंप्यूटर मॉडल भी तेजी से विकसित हो रहे हैं और भूगोल में इनका समावेश हुआ है। भूगोल के शोध छात्रों एवं स्नातकोत्तर छात्रों को रोजगार तभी संभव होगा जब हम नवीन प्रौद्योगिकी का ज्ञान भी विकसित करें।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ बिलासपुर बिलासा कॉलेज से पधारे भूगोल की प्राध्यापक कावेरी दाभडकर ने कहा कि विषय की बेहतर ढंग से समझ बढ़ाने के लिए संदर्भ पुस्तकों का अध्ययन आवश्यक है। भूगोल में संदर्भ पुस्तकों की कोई कमी नहीं है। इंटरनेट की सामग्री को सावधानी से चयन करना आवश्यक है ।भूगोल विषय मानचित्रो के लिए जाना जाता है अतः मैपिंग प्रैक्टिस के बिना विषय का ज्ञान वास्तव में अधूरा है।व्याख्यान माला का उद्घाटन करते हुए विभाग के प्राध्यापक डॉ अनिल सिन्हा ने कहा किसी भी विषय का महत्व तभी है जब वह गतिशील प्रवृत्ति का होने के साथ-साथ प्रौद्योगिकी से समृद्ध हो। विषय में सम्मिलित होने वाले नवाचारों को समझना आज की आवश्यकता है।

इस अवसर पर भूगोल विभागाध्यक्ष डॉ आरके जायसवाल ने अपने स्वागत भाषण में कहा की सरगुजा क्षेत्र के इस महाविद्यालय में वर्ष 1983 में भूगोल विषय प्रारंभ हुआ था,और आज वह दिवस है जिस दिन शासन से इस विषय को खोले जाने की अनुमति मिली थी और मेरी प्रथम पदस्थापना भी यहां की गई थी।कार्यक्रम का संचालन करते हुए विभाग की प्राध्यापिका प्रोफेसर दीपिका स्वर्णकार ने आज के दिवस की प्रासंगिकता तथा विद्वान प्राध्यापको की उपस्थिति को इस विभाग के लिए महत्वपूर्ण बताया।

इस अवसर पर मां सरस्वती के फोटो चित्र पर माल्यार्पण करते हुए स्नातकोत्तर भूगोल परिषद के अध्यक्ष कुमारी चंचल गुप्ता सचिव पंकज तिवारी ने अतिथियों को पुष्प गुच्छ प्रदान कर उनका स्वागत किया। व्याख्यान माला के अवसर पर विभाग के अतिथि प्राध्यापक ओमकार कुशवाहा तथा शासकीय महाविद्यालय लखनपुर से पधारे प्रोफेसर प्रेमचंद यादव तथा स्नातकोत्तर भूगोल के दोनों कक्षाओं के सभी छात्र उपस्थित रहे।

# माउंट मेरापी ज्वालामुखी में विस्फोट से 11 पर्वतारोहियों की मौत,कई अभी भी लापता

**सुमात्रा,04 दिसम्बर 2023 ।** इंडोनेशिया के पश्चिमी सुमात्रा स्थित माउंट मेरापी ज्वालामुखी में विस्फोट में 11 पर्वातारोहियों की मौत हो गई है। राहत और बचाव दल ने सभी 11 पर्वतारोहियों के शव बरामद कर लिए हैं। राहत बचाव दल के अधिकारियों का कहना है कि तीन पर्वतारोही ज्वालामुखी के नजदीक जीवित पाए गए हैं और कई पर्वतारोही अभी भी लापता हैं, जिनकी तलाश की जा रही है।

### एहतियातन नजदीकी गांव खाली कराए गए

पेदांग सर्च एंड रेस्क्यू एजेंसी के प्रमुख अब्दुल मलिक ने बताया कि उन्हें तीन लोग जिंदा मिले हैं और 11 शव बरामद हुए हैं। उन्होंने बताया कि शनिवार को घटना वाले दिन कुल 75 पर्वतारोही माउंट मेरापी पर थे। ज्वालामुखी विस्फोट के बाद सफेद और स्लेटी रंग की राख फैल गई है। इसके चलते पर्वतारोही लापता है और आसपास के गांव ज्वालामुखी की राख से ढक गए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पर्वत पर चढ़ाई के दो रास्ते ज्वालामुखी विस्फोट वाली जगह के नजदीक हैं, जिन्हें अब बंद कर दिया गया है। साथ ही ज्वालामुखी के मुहाने से 3 किलोमीटर दूर तक ढलान पर मौजूद गांवों को एहतियातन खाली करा लिया गया है। विस्फोट के बाद ज्वालामुखी से लावा निकलने की आशंका है।

### कई पर्वतारोही अभी भी लापता,तलाश जारी

अभी भी कई पर्वतारोही माउंट मेरापी पर लापता है, जिनकी तलाश की जा रही है। ज्वालामुखी विस्फोट के बाद 3000 मीटर दूर तक ज्वालामुखी की राख फैल गई है। प्रशासन ने लोगों से एहतियातन चश्में पहनने की सलाह दी है ताकि ज्वालामुखी की राख से उनकी आंखों की सुरक्षा हो सके। बता दें कि माउंट मेरापी ज्वालामुखी जनवरी से ही सक्रिय है। हालांकि अभी तक इससे कोई नुकसान नहीं हुआ है। इंडोनेशिया में कुल 120 सक्रिय ज्वालामुखी हैं।

## गोपनीय दस्तावेज लीक मामले में इमरान खान और शाह महमूद कुरैशी पर लटकी तलवार,13 को फिर तय होंगे आरोप

**इस्लामाबाद,04 दिसम्बर 2023।** पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और पूर्व विदेश मंत्री कुरैशी पर गोपनीय दस्तावेज लीक मामले में (साइफर मामले में) 12 दिसंबर को फिर आरोप तय किए जाएंगे। देश की एक विशेष अदालत ने फैसला सुनाया है।

### जेल की सुनवाई को अवैध घोषित किया

इमरान खान और कुरैशी के खिलाफ जेल में सुनवाई शनिवार को शुरू हुई जब इस्लामाबाद उच्च न्यायालय ने पिछले महीने एक फैसले में प्रक्रियात्मक आधार पर जेल की सुनवाई को अवैध घोषित कर दिया और इसकी कार्यवाही को भी रद्द कर दिया।

### पीटीआई नेताओं के खिलाफ आरोप तय होंगे

न्यायाधीश जुल्केरनैन ने सोमवार को सुनवाई 12 दिसंबर तक के लिए स्थगित कर दी और कहा कि उसी दिन पीटीआई नेताओं के खिलाफ आरोप तय किए जाएंगे। बताया जा रहा है कि विशेष अभियोजक जुल्फिकार अब्बास नकवी और रिजवान अब्बासी के साथ जेल में बंद नेताओं के परिवार के सदस्य और वकील सुनवाई में शामिल हुए। इनके अलावा, मीडिया के छह सदस्यों को कार्यवाही में शामिल होने की अनुमति दी गई।

### रावलपिंडी की अदियाला जेल में खुली सुनवाई हुई

इससे पहले एक दिसंबर को पाकिस्तान की एक विशेष अदालत ने सरकार से मंजूरी मिलने के बाद इमरान खान के खिलाफ गोपनीय दस्तावेज लीक मामले में रावलपिंडी की अदियाला जेल में खुली सुनवाई करने का फैसला किया था। बता दें, पीटीआई के पार्टी प्रमुख खान 26 सितंबर से उच्च सुरक्षा वाली अदियाला जेल में बंद हैं। कुरैशी को भी साइफर (सीक्रेट डिप्लोमैटिक केबल) मामले में गिरफ्तार किया गया था और वह इसी जेल में बंद है।

## इंडोनेशिया में ज्वालामुखी के फटने से 11 पर्वतारोहियों की मौत

**जकार्ता,04 दिसंबर 2023।** सुमात्रा द्वीप पर स्थित इंडोनेशिया के सबसे सक्रिय ज्वालामुखी माउंट मेरापी के फटने से 11 पर्वतारोहियों की मौत हो गई और कुछ अन्य लापता हैं। एक बचाव अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। खोज और बचाव के प्रमुख एजेंसी अब्दुल मलिक ने बताया कि बचाव के दौरान पहले चरण में, 49 पर्वतारोही पाए गए। वे सभी बच गए और उन्हें अस्पताल ले जाया गया, और कुछ घर लौट आए। दूसरे चरण में, हमें 14 लोग मिले, तीन बच गए और 11 अन्य की मौत हो गई।

विस्फोट के बीच पर्वतारोही पहाड़ की तलहटी की ओर जा रहे थे। अधिकारियों ने 75 पर्वतारोहियों की खोज के लिए लगभग 100 लोगों को तैनात किया है। माउंट मेरापी, जो समुद्र तल से 2,891 मीटर की ऊंचाई पर है, रविवार को फट गया, इससे 3,000 मीटर की राख का गुबार निकला। इससे राख और चट्टानें आसपास के क्षेत्र में फैल गईं। अधिकारियों ने मुख्य क्रेटर के 3 किलोमीटर के दायरे में लोगों को खतरे वाले क्षेत्र में जाने से रोक दिया है।

## नेतन्याहू की बढ़ सकती हैं मुश्किलें! भ्रष्टाचार मामले पर फिर से होगी सुनवाई,कोर्ट ने कही यह बात

**येरुशलम,04 दिसम्बर 2023 ।** इस्राइल और हमास युद्ध के बीच इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के मुश्किलें बढ़ने वाली हैं। इस्राइल की एक अदालत मंगलवार को प्रधानमंत्री नेतन्याहू के खिलाफ भ्रष्टाचार मामले की सुनवाई फिर से शुरू करेगा।

नेतन्याहू पर आरोप है कि बेजेक के स्वामित्व वाली वेबसाइट पर अनुकूल मीडिया कवरेज के बदले बेजेक टेलीकम्युनिकेशन्स के लिए लाभकारी नियामक कदम उठाए थे। इसी मामले पर मंगलवार को सुनवाई फिस से शुरू की जाएगी। जून माह में मामले पर तीन न्यायाधीशों ने सिफारिश की थी कि अभियोजन पक्ष रिश्वतखोरी का आरोप वापस ले ले। हालांकि, अभियोजन पक्ष ने आरोप वापस लेने से इनकार कर दिया और मुकदमा जारी रखने का फैसला किया। जिसके बाद अदालत ने संबंधित लोगों की गवाही सुनी।

रिश्वतखोरी मामले में आखिरी सुनवाई 20 सितंबर को हुई थी, जिसके बाद अदालत ने छुट्टी के लिए स्थगित कर दी थी। जिसे सात अक्तूबर को इस्राइल पर हमास के हमले और उसके बाद के युद्ध के कारण बढ़ा दिया गया था। जिसके बाद भ्रष्टाचार के मामले में दायर नेतन्याहू के खिलाफ सुनवाई को रोक दिया गया था।

बता दें गाजा स्थित आतंकी समूह हमास ने सात अक्तूबर को इस्राइल पर पांच हजार रॉकेट दागे। हमास के आतंकियों ने गाजा से सटी इस्राइली सीमा को तबाह कर कई नागरिकों को बंधक बनाया था। जवाबी कार्रवाई में इस्राइल ने हमास के ठिकानों पर जमकर हमला किया था। जिसके बाद से हमास और इस्राइल के बीच भीषण युद्ध की शुरूआत हुई। 24 नवंबर से अबतक दोनों पक्षों के बीच युद्ध विराम चल रहा है। हालांकि कहीं जगहों पर हिंसक घटनाएं देखने को मिली हैं।

## ब्रैम्पटन में हमले के सिलसिले में चार भारतीयों की तलाश,सोशल मीडिया पर जारी की गई आरोपियों की तस्वीर

**ओटावा,04 दिसम्बर 2023 ।** ओंटारियो प्रांत के ब्रैम्पटन शहर में सितंबर में हुए एक हमले के सिलसिले में कनाडाई अधिकारियों ने भारतीय मूल के चार लोगों की तलाश शुरू की है। इससे पहले आठ सितंबर को पीड़ित पर ब्रैम्पटन में कई गुटों ने हमला किया था। हालांकि, पुलिस के पहुंचने से पहले हमलावर वहां से फरार हो गए थे। पीड़ित को तुरंत अस्पताल ले जाया गया। जांच में बताया गया कि हमलावर की उम्र 22 से 30 वर्ष के बीच है। पील के क्षेत्रीय पुलिस ने इस गंभीर हमले के संबंध में 22 वर्षीय आफताब गिल और हरमनदीप सिंह, 25 वर्षीय जतिंदर सिंह और 30 वर्षीय सतनाम सिंह का पता लगाने के लिए स्थानीय मदद मांगी है। उन्होंने आरोपियों की तस्वीर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भी जारी किया है।

## मालदीव के पूर्व राष्ट्रपति को उम्मीद-फंड जुटाने में मिलेगी मदद,इस मामले में हिलेरी को भारत पर भरोसा

**दुबई,04 दिसम्बर 2023 ।** मालदीव के पूर्व राष्ट्रपति मोहम्मद नशीद ने सोमवार को कहा,दुबई जलवायु सम्मेलन में किए गए वादों को पूरा किया जाए, वह इस दिशा में पूरा प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा, वह सुनिश्चित करेंगे कि अमेरिका, संयुक्त अरब अमीरात और यूरोपीय संघ समेत अन्य देश वास्तव में जलवायु-संवेदनशील देशों की आर्थिक मदद करने का वादा पूरा करेंगे। बता दें कि नशीद जलवायु परिवर्तन के खिलाफ बनाए गए मंच- क्लाइमेट वल्नरेबल फोरम के महासचिव भी हैं। पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक दुबई में आयोजित सीओपी28 समिट के बाद फंड जुटाने में बड़े देशों की भूमिका पर नशीद ने कहा, मेरा काम यह सुनिश्चित करना है कि हमें वह पैसा जरूर मिले जो बड़े देशों के पास रखा है।

गौरतलब है कि COP28 में किए गए बड़े वित्तीय वादे सुर्खियों में रहे हैं। ग्रीन क्लाइमेट फंड के तहत 3 बिलियन अमरीकी डॉलर का योगदान करने के लिए अमेरिका ने प्रतिबद्धता दिखाई है। संयुक्त अरब अमीरात, यूरोपीय संघ और अमेरिका सहित कई देशों की तरफ से 400 मिलियन अमरीकी डॉलर से अधिक राशि के योगदान का वादा किया है।

खबरों के अनुसार बड़े देशों ने जलवायु संकट में कम योगदान देने के बावजूद इसका खामियाजा भुगतने वाले विकासशील और गरीब देशों को मुआवजा देने के लिए प्रारंभिक समझौता किया है।दरअसल, पेरिस जलवायु समझौते का लक्ष्य पूरा करने के लिए विकासशील देशों को 5.9 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की जरूरत है। जी 20 देशों के ऐसा कहने पर मालदीव के पूर्व राष्ट्रपति ने कहा, जलवायु संकट के बीच हम अरबों-खरबों डॉलर की चर्चा में फंस गए हैं। वे मामले की संवेदनशीलता और गंभीर जलवायु संकट को देखते हुए फंड की जरूरत को खरबों तक जाते हुए खामोशी से नहीं देख सकते।

दुबई में आयोजित जलवायु सम्मेलन को लेकर पूर्व अमेरिकी विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन ने भी अहम बात कही। उन्होंने जलवायु परिवर्तन से लड़ने के लिए स्थानीय समाधानों को अपनाने का आह्वान किया। भारत की भूमिका पर क्लिंटन ने कहा, भारत में महिलाओं के सामने कई चुनौतियां हैं। ऐसे में लिंग आधारित जलवायु नीतियों की बेहद अहम भूमिका है। सीओपी-28 के तहत जलवायु परिवर्तन की समस्या से लड़ाई में समुदायों को सशक्त बनाने पर भी चर्चा की गई।

हिलेरी क्लिंटन ने महिलाओं की भूमिका पर कहा, अत्यधिक गर्मी का मुख्य कारण जलवायु परिवर्तन है। आजीविका, समाजिक ताना-बाना और इंसान की सेहत भी इससे बुरी तरह प्रभावित हो रही है। इस तेजी से बढ़ने वाले खतरे के प्रभाव की चपेट में महिलाएं भी आ रही हैं। भारत में स्व-रोज़गार महिला संघ के साथ अपने लंबे अनुभव का हवाला देते हुए क्लिंटन ने कहा, अनौपचारिक क्षेत्र में काम करने वाली महिलाओं पर अत्यधिक गर्मी का असर कई तरह से होता है। भारत के असंगठित क्षेत्र में महिलाओं की भूमिका रेखांकित करते हुए क्लिंटन ने कहा, जलवायु परिवर्तन केवल सेहत से जुड़ा मुद्दा नहीं हैं। यह एक आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक मुद्दा भी है। महिलाओं की भूमिका लगातार अहम होती जा रही है। महिलाएं श्रम प्रधान व्यवसायों में पहले की तुलना में अधिक सक्रिय हुई हैं।

क्लिंटन ने कहा, अत्यधिक गर्मी और लगातार बढ़ते वैश्विक तापमान को जलवायु परिवर्तन का सबसे खतरनाक परिणाम मानना चाहिए। खासकर भारत में ऐसा किए जाने की जरूरत है। जब हम बड़े बदलाव, नवाचार और परिवर्तन की दौड़ में शामिल हैं, तो हमें इस बारे में चिंता करनी होगी कि वास्तविक रूप से क्या हो रहा है? उन्होंने कहा कि दुनियाभर में लाखों लोग जलवायु परिवर्तन से बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। ख़ासकर भारत की महिलाओं पर भी इसकी बुरी मार पड़ी है। ऐसे में हमें लिंग आधारित जलवायु नीति अपनाने की सख्त जरूरत है।

## गुरुनानक जयंती मनाने गए भारतीय सिख परिवार से लाखों की लूट

### पुलिस का दावा- गिरोह का सरगना गिरफ्तार

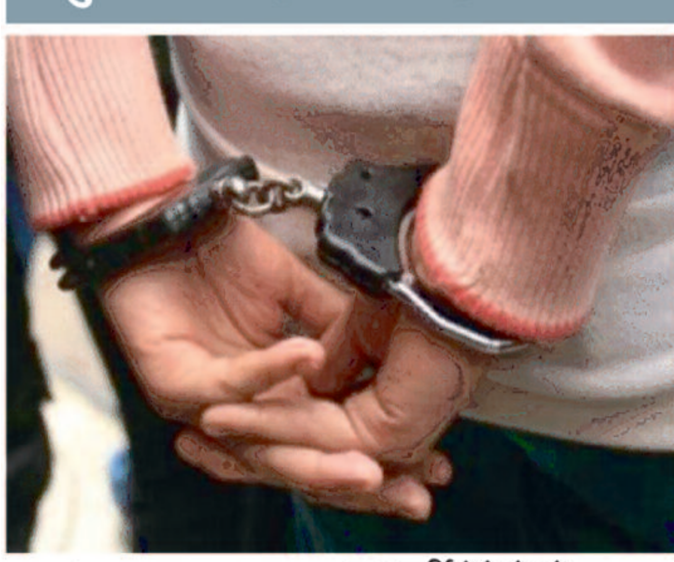

**लाहौर, 04 दिसम्बर 2023 ।** पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में भारतीय सिख परिवार को लूटने के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। रिपोर्ट के अनुसार लूट की वारदात को अंजाम देने वाले गिरोह के सरगना को लाहौर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। सुरक्षाकर्मियों के भेष में वारदात को अंजाम देने पहुंचे लुटेरों ने सिख परिवार से लाखों रुपये नकद और गहने लूटे।

रिपोर्ट के मुताबिक लाहौर में पिछले हफ्ते सुरक्षाकर्मियों के भेष में एक भारतीय सिख परिवार से 2.50 लाख रुपये लूटे गए। साथ ही 1.50 लाख पाकिस्तानी रुपये (पीकेआर) मूल्य के आभूषण भी लूटे गए। लूटपाट के आरोपी और गिरोह के सरगना की गिरफ्तारी की जानकारी सोमवार को आई मीडिया रिपोर्ट से मिली। पीड़ित सिख परिवार के सदस्य की पहचान कंवलजीत सिंह के रूप में हुई है। कंवलजीत और उनके परिवार के सदस्य गुरुनानक जयंती उत्सव में शामिल होने के लिए भारत से पाकिस्तान के पंजाब प्रांत पहुंचे थे।

### सुरक्षाकर्मियों के भेष में लुटेरों ने भारतीय सिख परिवार को निशाना बनाया

आपराधिक घटना की जानकारी के बारे में पुलिस ने बताया कि सिख परिवार 29 नवंबर को खरीदारी के लिए लाहौर के गुलबर्ग इलाके में लिबर्टी मार्केट गया था। इसी दौरान सुरक्षा मंजूरी और जांच के नाम पर पुलिस के भेष में लुटेरों ने उन्हें रोका। इसी दौरान कंवलजीत और उनके परिजनों से आभूषणों के अलावा 2.50 लाख भारतीय रुपये और 1.50 लाख पाकिस्तानी रुपये (पीकेआर) लूटे गए।

### सरगना की गिरफ्तारी के बाद गिरोह के बाकी सदस्यों की तलाश

वारदात के संबंध में पाकिस्तान से प्रकाशित डॉन अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक, सोमवार को लाहौर पुलिस ने दावा किया कि गिरोह के सरगना को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी की पहचान अहमद रजा के रूप में हुई है। पुलिस ने कहा कि सरगना की गिरफ्तार के बाद लुटेरों के गिरोह में शामिल अन्य सदस्यों की गिरफ्तारी के लिए भी छापेमारी की जा रही है।

### सरकार ने माना, गुलबर्ग में लूट सुरक्षा में गंभीर चूक

इस मामले में पंजाब के कार्यवाहक मुख्यमंत्री मोहसिन नकवी ने लाहौर पुलिस प्रमुख से रिपोर्ट मांगी है। नकवी ने दोषियों को 48 घंटे के भीतर अदालत में पेश करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि गुलबर्ग जैसे इलाके में एक सिख परिवार के साथ लूट की घटना सुरक्षा में गंभीर चूक है।

### गुरुनानक जयंती पर बड़ी संख्या में पाक जाते हैं सिख श्रद्धालु

बता दें कि वर्तमान में, गुरुनानक जयंती के सिलसिले में 2,500 से अधिक भारतीय सिख पाकिस्तान में हैं। भारतीय से बड़ी संख्या में सिख परिवार गुरुनानक जयंती मनाने पाकिस्तान जाते हैं। खबरों के मुताबिक इस साल 554वीं जयंती के उपलक्ष्य में वाघा-अटारी बॉर्डर से गुजरते हुए ढाई हजार से अधिक भारतीय सिख श्रद्धालु पाकिस्तान के पंजाब प्रांत पहुंचे हैं। लगभग 10 दिवसीय प्रवास के दौरान सिख तीर्थयात्री गुरुद्वारा पुंजा साहिब हसनअबदाल, गुरुद्वारा सच्चा सौदा, गुरुद्वारा डेरा साहिब लाहौर, गुरुद्वारा रोहरी साहिब ऐमनाबाद और गुरुद्वारा दरबार साहिब करतारपुर नारोवाल का दौरा करते हैं।

## बच्चों से भरी स्कूली बस दुर्घटनाग्रस्त,5 घायल,मैनपाट घूमने आए थे

\- संवाददाता -

**अंबिकापुर, 04 दिसम्बर 2023 (घटती-घटना)।** धमतरी द्रोणाचार्य पब्लिक स्कूल के बच्चों से भरी बस सोमवार की शाम 6 बजे मैनपाट से वापस आते दौरान कालीघाट ढलान में स्टेयरिंग फेल होने से दुर्घटनाग्रस्त हो गई। उक्त बस में लगभग 45 छात्राएं, प्रिंसिपल सहित टीचर मौजूद थे। इस हादसे में लगभग पांच बच्चों को चोटे आई हैं। सभी बच्चों को उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर भेजा गया है। जानकारी के अनुसार धमतरी द्रोणाचार्य पब्लिक स्कूल की तीन स्कूली बस लगभग 84 बच्चों व 16 टीचर स्टाफ के साथ भ्रमण के लिए निकली थी। बिलासपुर रतनपुर होते हुए कई जगह दर्शन कर आज तीनों बस मैनपाट पहुंची थी। पूरे दिन मैनपाट में भ्रमण करने के बाद शाम को सभी वापस अंबिकापुर की ओर आ रहे थे। कमलेश्वरपुर से 15 किलोमीटर दूर अंबिकापुर की ओर कालीघाट ढलान में छात्राओं से भरी बस का स्टेयरिंग फेल हो गया और बस ढलान में दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस दुर्घटना में कुछ बच्चों को चोट आई है। कलेक्टर कितने देश पर तत्काल एसडीएम,डॉक्टर सहित सूचना पर पुलिसकर्मी भी मौके पर मौजूद थे।

# बैकुंठपुर कांग्रेस प्रत्याशी का नहीं सुधर पाया परफॉर्मेंस..

# अंततःखराब परफॉर्मेंस का परिणाम देखने को मिला

## कांग्रेस प्रत्याशी अपना गृह वार्ड भी नहीं बचा पाई,पोड़ी बचरा क्षेत्र छोड़कर हर जगह से मिली हार,समीक्षा जारी...

मुख्यमंत्री के चहेते विधायक का टिकट कटा...पूर्व मुख्यमंत्री के चहेते विधायक का रिपोर्ट कार्ड खराब होने के बाद भी टिकट मिला...
क्या यही है संयोग?

क्या कोरिया सरगुजा में आज भी जी हुजूरी की परंपरा जीवित?

क्या निज सहायक अपने मित्र के साथ मिलकर विधायक की राजनीति पर लगाएंगे ग्रहण?

जिस विधायक के नेतृत्व में जनपद हारे...जिला पंचायत हारे...और जीती हुई नगर पालिका भी हारे...क्या उसी विधायक पर दांव लगाना चाह रही है कांग्रेस?
क्या बिना जनाधार वाले विधायक पर दांव लगाना कांग्रेस की मजबूरी?
विधायक की छवि विधानसभा में कैसी बनी हुई है यह सभी भली-भांति जानते है पर क्या उच्च स्तर के नेता नहीं जानते?

क्या बैकुंठपुर विधायक को अपनी जीत पर नहीं है भरोसा...जनता से पूछा हम जीतेंगे कि नहीं जीतेंगे?

कांग्रेस के सर्वे रिपोर्ट में वर्तमान विधायक का नाम नहीं सर्वे रिपोर्ट के अनुसार वेदांती तिवारी सबसे ऊपरःसूत्र

- 228 मतदान केंद्रों में कुल 17 मतदान केंद्रों में ही मिली कांग्रेस प्रत्याशी को बढ़त, बढ़त भी ऐसी की जिसे बढ़त कहना भी गलत
- अपनों के विरोध ने कांग्रेस प्रत्याशी को दिलाई हार,गैरों पर भरोसा कर कांग्रेस प्रत्याशी की हुई हार
- कांग्रेस की अंबिका सिंहदेव को एक पोलिंग में केवल 02 वोट...बैकुंठपुर,पटना, चरचा से रही काफी पीछे
- पोंडीबचरा क्षेत्र ने बचाई लाज...गोंगपाने हर बूथ में पाया वोट,शहर में भी दिखी गोगपा की पैठ
- बैकुंठपुर कांग्रेस प्रत्याशी नहीं समेट पाई अपनों को और अंततःअपनों के ही विरोध ने परिणाम को बदल दिया

- रवि सिंह -
कोरिया,04 दिसम्बर 2023 (घटती-घटना)।

सत्ता पक्ष की विधायकों की हार ने पूरे प्रदेश में कांग्रेस को झकझोर कर रख दिया, हर वर्ग में काम करने के बावजूद दोबारा सत्ता में आ ना सके, इसकी वजहों पर यदि गहन चिंतन किया जाए तो इसकी वजह सिर्फ एक ही थी सारे विधायकों व प्रशासन को फ्री हैंड छोड़ देना और जनता की परेशानियों को दरकानार करना, कांग्रेस 75 पार का नारा लेकर बैठी थी और कार्यकर्ताओं को उपेक्षित कर रखा था, उपेक्षित कार्यकर्ताओं के बावजूद किस मुंह से इस उम्मीद में थे कि सत्ता में दोबारा काबिज होंगे? यही कांग्रेस की बड़ी भूल थी, यदि बैकुंठपुर विधानसभा की बात की जाए तो सब कुछ होने के बावजूद सत्ता पक्ष की विधायक अंबिका सिंहदेव का हारना कहीं ना कहीं आश्चर्यचकित करता है, यहां पर भाजपा के विधायक की जीत नहीं सत्ता पक्ष के विधायक की हार ज्यादा चर्चा में है। भाजपा विधायक को यदि जीत मिली तो सिर्फ कांग्रेस विधायक के विरोध की वजह से, यदि कांग्रेस विधायक समय रहते अपने लोगों को समेट लेती तो शायद ऐसी शर्मनाक हार ना मिलती यह लोगों का भी कहना है, जीत हार अपनी जगह है जीत हार का अंतर बताता है की आक्रोश के कारण बुरी हार हुई है, सत्ताधारी दल के विधायक की अब हार के बाद सिर्फ समीक्षा हो रही है और चेहरे को देखा जा रहा है कि किसने अंदर खाने में विरोध किया पर अपनी कमियों को आज भी विधायक प्रत्याशी व बाकी लोग देखने को तैयार नहीं है, जबकि शुरू से पता था कि उनके विरोधी कौन है और कैसे विरोधी बने हैं उन्हें समेट पाने में और एकत्रित कर पाने में कांग्रेस प्रत्याशी फेल हो गई और परिणाम बड़ी हार में बदल गया, स्थितियां ऐसी निर्मित हुई कि यदि सारे मतदान केंद्र के गणना पर नजर डाला जाए तो हर जगह से कांग्रेस प्रत्याशी को हारना पड़ा यहां तक की अपना गृह वार्ड भी नहीं बचा पाई, कांग्रेस प्रत्याशी वहीं 228 मतदान केंद्रों में कांग्रेस प्रत्याशी को कुल 17 मतदान केंद्रों में बढ़त मिली वह भी ऐसी बढ़त जो भाजपा प्रत्याशी के अन्य सभी मतदान केंद्रों की बढ़त के सामने नाकाफी थी।

ज्ञात होगी बैकुंठपुर विधानसभा सीट में भारतीय जनता पार्टी के भईयालाल राजवाड़े ने 25,413 मतों से शानदार जीत हासिल की है। दरअसल बैकुंठपुर सीट से अंबिका सिंहदेव के लिए कांग्रेसियों के अलावा आम मतदाताओं में भारी नाराजगी का आलम था। इसलिए जैसे ही भारतीय जनता पार्टी ने भईयालाल राजवाड़े को अपना प्रत्याशी घोषित किया, वैसे ही हवा की यह बयार बहने लगी कि भईयालाल राजवाड़े 15,000 से अधिक मतों से चुनाव जीतेंगे। इस आशंका को सही साबित करते हुए भईयालाल राजवाड़े ने 25,000 से अधिक मतों से कांग्रेस की अंबिका सिंहदेव को हरा दिया।

### कांग्रेस प्रत्याशी अंबिका सिंहदेव गृह वार्ड से हारी

कांग्रेस प्रत्याशी अंबिका सिंहदेव की हार का आलम यह रहा कि वह अपने ही गृह वार्ड महलपारा से 235 वोटो से पीछे रहीं। जबकि भईयालाल राजवाड़े अपने गृह वार्ड सरडी से 500 से अधिक मतों से आगे रहे। अपने गृह वार्ड में ही जिस तरह कांग्रेस प्रत्याशी बड़े अंतर से पीछे रहीं उसे देखकर लगता है की उनका विरोध किस स्तर का था जो उन्हे अपने ही पड़ोसियों ने समर्थन देने से मना कर दिया। बात भाजपा प्रत्याशी की यदि की जाए तो उन्हे उनके गृह वार्ड से तो बढ़त मिली ही वहीं उन्हे उसके अलावा पूरे विधानसभा से अपार समर्थन मिला और उनको जानने वाले और पास रहने वालों का कहना है की जनता उनकी पिछली हार की इस तरह भरपाई करेगी वह खुद इसके लिए जनता के ऋणी हैं उनका कहना है।

### एक बूथ में कांग्रेस को केवल 2 मत

हैरानी की बात तो यह है कि बूथ क्रमांक 6 दुर्गापुर में कांग्रेस प्रत्याशी को केवल दो वोट मिले जो एक राष्ट्रीय पार्टी के लिए बेहद गंभीर बात है। इस बूथ में भाजपा प्रत्याशी को 77 मत और गोंगपा को 10 मत प्राप्त हुए।

### अपने क्षेत्र से बड़ी बढ़त से आगे रहे भईयालाल राजवाड़े

भाजपा के भईयालाल राजवाड़े जगतपुर से लेकर खरवत तक अपने परंपरागत बेल्ट में 4,742 मतों से आगे रहे। कुल मिलाकर उन्होंने साबित किया की वह बैकुंठपुर विधानसभा में तो वह लोकप्रिय हैं ही लेकिन अपने गृह क्षेत्र में आज भी उनका मुकाबला करने वाला कोई नहीं वह बढ़त लेकर ही वहां से निकलेंगे यह तय हुआ।

### चरचा में कांग्रेस को मिला भारी गढ्ढा

वहीं चरचा कालरी शहर में कांग्रेस नेता भूपेंद्र यादव की अगुवाई के बावजूद कांग्रेस वहां से 1586 मतों से पीछे रही चरचा के 14 पोलिंग में केवल दो पोलिंग में ही कांग्रेस को मामूली बढ़त मिल सकी। चरचा से कांग्रेस प्रत्याशी को ज्यादा उम्मीद थी और उनका मानना था की कांग्रेस मतदान केंद्र क्रमांक 1 से जारी भाजपा प्रत्याशी की बढ़त को चरचा में रोक लेगी लेकिन ऐसा हुआ नहीं और कांग्रेस चरचा में बुरी तरह पिछड़ गई। पिछले चुनाव में जहां भाजपा के भईयालाल राजवाड़े मात्र 89 वोटों के आसपास से चरचा से आगे थे इस बार उन्होंने 1500 से ज्यादा मतों का अंतर मात्र चरचा से ले लिया और बड़ी जीत के लिए वह आगे बढ़ गए।

### संभाग बनाने की घोषणा काम नही आई,शहर में कांग्रेस हारी

बैकुंठपुर शहर की 11 पोलिंग में भाजपा को 3,919 और कांग्रेस को 2,600 मत मिले बैकुंठपुर शहर से भाजपा 1,319 मतों से आगे रही। शहर की 11 पोलिंग में कांग्रेस को केवल डबरीपारा की एक पोलिंग से बढ़त मिली है। शहर में भाजपा का आगे होना यह दर्शा गया बैकुंठपुर में की अब शहर भी परंपरा तोड़कर आगे बढ़ना चाहता है और जिला विभाजन का दुख उसे है। शहर से कांग्रेस कभी नहीं पिछड़ी थी और इस चुनाव में कांग्रेस का खराब प्रदर्शन यह भी बता गया की जनता परंपरा तोड़कर भी अपना नेतृत्व चुनने में विश्वास रखती है।

### कांग्रेस के बड़े नेता का पटना में बढ़त का दावा भी हुआ फुस्स

बात यदि पटना क्षेत्र की की जाए तो भाजपा को वहां 25,183 मत मिले और कांग्रेस को 14,036 मत मिले। इस प्रकार भाजपा पूरे पटना क्षेत्र में 11,147 मतों से आगे रही। इतना ही नहीं पटना शहर की पांच पोलिंग में भाजपा 282 मतों से आगे रही। ,पटना में भाजपा की बढ़त बताया जाता है की कभी नहीं हुई थी जो इस बार हुई,इसके पीछे की वजह भी आक्रोश ही था जबकि नगर पंचायत की घोषणा और उसके स्थापना की ओर कांग्रेस विधायक काम कर रही थीं फिर भी पटना ग्राम ने कांग्रेस प्रत्याशी को नकार दिया,कांग्रेस के बड़े चेहरे के रूप में उभरे और हाल ही में बनाए गए कार्यकारी ब्लॉक अध्यक्ष बिहारीलाल राजवाड़े के गृह क्षेत्र बरदिया में जहां भाजपा को 752 मत तो वहीं कांग्रेस को 211 मत मिले।बिहारीलाल राजवाड़े जो पिछले चुनाव में खुद जनता जोगी कांग्रेस से प्रत्याशी थे उन्होंने देखा जाए तो उतनी भी बढ़त कांग्रेस प्रत्याशी से खाते में दर्ज नहीं करा पाया जितना वह खुद पिछले चुनाव में पा सके थे । कुल मिलाकर उनका कांग्रेस के साथ जुड़ना कतई फायदेमंद साबित नहीं हुआ और कहीं न कहीं इसका नुकसान ही कांग्रेस प्रत्याशी को झेलना पड़ा जो बड़ी हार के रूप में सामने है।

### रनई में कांग्रेस की जीत बरकरार

कांग्रेस के गढ़ रनई में 224 मत से कांग्रेस आगे रही। यह कांग्रेस के कद्दावर नेता और रनई जमीदार योगेश शुक्ला का क्षेत्र है, यहां इनका काफी दबदबा है और आज तक कांग्रेस यहां से हारी नहीं है। इसका रिकॉर्ड भी बरकरार रहा। लेकिन वहां कांग्रेस को एक बूथ में मामूली अंतर से हार का सामना करना पड़ा। उल्लेखनीय है कि योगेश शुक्ला भी बैकुंठपुर विधानसभा सीट से विधायक पद के दावेदार रहे हैं।

### कुडेली बेल्ट से भी पीछे हुई कांग्रेस

यदि कांग्रेस के ही एक कद्दावर नेता वेदांती तिवारी की चर्चा की जाए तो कुडेली से वह आते हैं कूड़ेली बेल्ट से भाजपा को 3,420 और कांग्रेस को 2,288 वोट मिले यहां भी भाजपा 1,132 मतों से आगे रही। वेदांती तिवारी खुद प्रत्याशी की दौड़ में आगे थे और कहीं न कहीं कांग्रेस की घोषित प्रत्याशी को उनके ऊपर विश्वास कम था इसलिए उन्हे चुनाव के दौरान पार्टी ने भरतपुर सोनहत का प्रभारी बना दिया था और वह वहीं डटे हुए थे जिसके कारण भी कांग्रेस इस क्षेत्र में पिछड़ गई। यदि वह क्षेत्र में रहते निश्चित रूप से अपनी साख बचाने काम करते जिसका मौका पार्टी ने भी उन्हे नहीं दिया जो भाजपा की बढ़त के लिए कारगर हो गई।

### कांग्रेस प्रत्याशी की पोंडीबचरा क्षेत्र ने बचाई लाज

केवल पोंडी बचरा क्षेत्र ने कांग्रेस की कुछ लाज बचाई है यहां से वह 644 मतों से आगे रही है। लेकिन यहां गोंडवाना गणतंत्र पार्टी सबसे पहले नंबर में रही है। यहां कांग्रेस को 8,927 मत, भाजपा को 8,283 मत मिले। वही गोंडवाना को 9345 मत प्राप्त हुए। केवल इस इलाके से कांग्रेस 644 मतों से भाजपा को पीछे कर पाई। जबकि कांग्रेस का मानना था खुद विधायक के लोगों का मानना था की इस इस क्षेत्र से ही ही कांग्रेस कम से कम पांच हजार की लीड लेकर निकलेगी जो दावा भी गलत साबित हुआ यहां भी भईयालाल राजवाड़े ने मत प्राप्त किए।

### गोंडवाना गणतंत्र पार्टी में शहर में भी बनाई पैठ

गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने सभी 228 बूथों में मत प्राप्त किए। हैरानी की बात तो यह है कि बैकुंठपुर शहर में भी गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने अपनी पैठ बनाते हुए सभी 11 पोलिंग में कुल 72 मत प्राप्त किया। पूरे विधानसभा में गोंगपा को 23,140 मत को मिले।

### कांग्रेस की बड़ी हार के पीछे विधायक के खास सिपहसलारों की रणनीति भी जिम्मेदार

बैकुंठपुर विधानसभा से कांग्रेस प्रत्याशी की बड़ी हार के पीछे विधायक प्रत्याशी के खास सिपहसलारों की रणनीति भी काफी हद तक जिम्मेदार है। विधायक के खास लोगों ने कांग्रेस के कार्यकर्ताओं से प्रत्याशी को दूर रखा वहीं उन्होंने अपनी ही रणनीति बनाई जिसके अनुसार उन्होंने विरोधी दल में सेंध लगाना ज्यादा उचित समझा। बताया जाता है विरोधी दल के लोगों को अपनी तरफ करने के चक्कर में काफी अर्थ भी व्यय किया गया लेकिन सब बेकार साबित हुआ और विरोधी दल एकजुट हुआ और जनता के आक्रोश को वह अपने पक्ष में कर ले गया।

### दैनिक घटती घटना की खबर को दरकिनार करना पड़ा भारी

सरगुजा संभाग का दैनिक घटती-घटना अखबार ने खबर को प्रकाशित कर कांग्रेस प्रत्याशी को हर बार कमियो को बताने का प्रयास किया ताकि समय रहते संभल जाए पर हर बार कांग्रेस प्रत्याशी ने खबरों को दरकिनार अपनी सोच में परिवर्तन नहीं लाया, जिसका परिणाम हार में बदल गया, घटती-घटना ने हर बार जिस जिस पर संदेह व्यक्त किया आखिर अंतत- उसे उसे संदेह पर मोहर लगाते गई और अंत में वह परिणाम के तरफ बढ़ और कांग्रेस प्रत्याशी के सारे संदेह सही हो गया, घटती-घटना की खबर भले ही कांग्रेस प्रत्याशी को बुरी लग रही थी पर हर खबर पर मोहर लगी है आज परिणाम भी यही बता रहे हैं।

### घटती-घटना की कई खबरों पर लगी मुहर

दैनिक घटती-घटना खबर ने लगातार इस बात को लेकर खबर प्रकाशित कर रही थी कि बैकुंठपुर में प्रत्याशी नहीं बदल गया तो कांग्रेस को हर का सामना करना पड़ेगा और अंततः वही हुआ, प्रत्याशी नहीं बदल गया और जिस प्रत्याशी को दोबारा मौका दिया गया अंतत उन्हें बहुत बुरी तरीके से भाजपा प्रत्याशी भईया लाल राजवाड़े के सामने हार न पड़ा और साथ ही कई इतिहास भी इसके साथ जुड़ गए।

### पैलेस की होगी हार,घटती घटना ने पहले ही कहा था

कोरिया पैलेस आज तक चुनाव को लेकर एक कीर्तिमान बनाकर रखा था कि उसकी हर नहीं हुई थी पर हर होना संभव था जिस बात को लेकर दैनिक घटती-घटना ने कई बार खबरों में प्रकाशित करके इसका अंदेश जताया था अंततः बैकुंठपुर प्रत्याशी के हार ने के बाद पैलेस की हर अंततः हो ही गई, लोगों का भी ऐसा मानना है की पहली बार चुनाव में पैलेस को हारना पड़ा। सरगुजा संभाग का दोनों पैलेस इस बार हार गया।

# परिणाम के पहले व परिणाम के बाद प्रत्याशी पहुंचे भगवान के द्वार

» पहले की जीत के लिए दुआ,जीतकर फिर पहुंचकर मंदिरों में दिया भगवान को धन्यवाद

- रवि सिंह -
कोरिया/एमसीबी 04 दिसम्बर 2023 (घटती-घटना)।

नवीन जिले एमसीबी के दो विधानसभा से नव निर्वाचित विधायकों ने जीत दर्ज करते ही सबसे पहले भगवान के द्वार पहुंचकर उन्हें धन्यवाद दिया वहां आशीर्वाद प्राप्त किया फिर उन्होंने आगे विजय जुलूस में जाना स्वीकार किया, जिले के दो विधानसभाओं से प्रत्याशी रहे भाजपा के जिन्होंने जीत दर्ज की जिसमे केंद्रीय राज्यमंत्री सहित पूर्व विधायक भी शामिल थे जो मतगणना से पहले सबसे पहले भगवान के द्वार पर पहुंचकर हाजिरी लगाई और जीत का आशीर्वाद लिया, उसके बाद जब उनकी जीत दर्ज हो गई वह पुनः भगवान के दर पर जा पहुंचे और फिर ईश्वर के प्रति कृत्यगता ज्ञापित करते हुए उन्होंने ईश्वर को धन्यवाद दिया फिर वह विजय जुलूस में शामिल हुए। ईश्वर के प्रति आस्था मामले में भाजपा के दोनो जीत दर्ज करने वाले विधायक एक जैसे देखे गए।

चुनाव प्रचार के दौरान भी जहां भरतपुर सोनहत से भाजपा प्रत्याशी को प्रतिदिन मंदिरों में जाते देखा गया जो उनके प्रचार क्षेत्र में आने वाले मंदिर थे वहीं मनेंद्रगढ़ से भाजपा प्रत्याशी को भी लगातार श्रद्धा भाव से ईश्वर भजन के लिए भी समय निकालते देखा गया। इस बार का चुनाव भाजपा प्रत्याशियों के लिए काफी महत्वपूर्ण था। भाजपा प्रत्याशियों को इस बार सत्ताधारी दल जो अपार बहुमत के साथ सत्ता में काबिज था के प्रत्याशियों के बीच जाकर जीत निकालकर लाना था जो वह बड़ी मेहनत से कर पाने में सफल भी रहे वहीं इस दौरान उन्होंने ईश्वर से भी बार बार प्रार्थना की उनके दर पर जा जाकर दस्तक वह देते रहे मन्नत मांगते रहे जो इस चुनाव में देखने को मिला। भरतपुर सोनहत क्षेत्र में जहां कई ऐतिहासिक धार्मिक स्थल थे जहां भाजपा प्रत्याशी पहुंचती देखी गई वहीं मनेद्रगढ से भाजपा प्रत्याशी भी इस मामले में पीछे नहीं रहे वह समय मिलने पर भगवत भजन में भी लीन देखे गए। इस चुनाव में भाजपा प्रत्याशियों को चिंता में या गंभीरता में ज्यादा नहीं देखा गया। भाजपा के नवीन जिले के दो विधानसभाओं के दोनो प्रत्याशी लगातार प्रचार में पूरे उत्साह से जुटे रहे वहीं उन्होंने सत्ताधारी दल के प्रत्याशियों को ही बेचैन कर रखा था यह कहना भी गलत नहीं होगा।

### केंद्रीय राज्यमंत्री ने तो अपनी आक्रामकता से हर समय कांग्रेस प्रत्याशी को परेशान कर रखा

भरतपुर सोनहत से भाजपा प्रत्याशी घोषित की गई केंद्रीय राज्यमंत्री ने तो अपनी आक्रामकता से हर समय कांग्रेस प्रत्याशी को परेशान कर रखा था उन्होंने अपने बयानों से ऐसे उलझाया कांग्रेस प्रत्याशी को की कांग्रेस प्रत्याशी उनके ऊपर ही आरोप लगाते व्यस्त रह गए और इस बीच केंद्रीय राज्यमंत्री ने अपनी जीत तय कर ली। केंद्रीय राज्यमंत्री को जहां बाहरी बताकर पहले कांग्रेस ने कमजोर करने का प्रयास किया जिसका जवाब उन्होंने अच्छे से दिया वहीं कांग्रेस प्रत्याशी ने अपने एक बयान से महिलाओं को ही नाराज कर दिया जब उन्होंने बेटियों के मायके आने को लेकर एक बयान दे दिया और अशुभ बता दिया इसे। केंद्रीय राज्यमंत्री का कोरिया जिला मायका है और यही एक मामला उनके लिए काफी फायदेमंद रहा जिसे वह भाजाने में सफल हो गई और बेटी बनकर उन्होंने क्षेत्र वासियों का दिल जीत लिया।

### श्याम बिहारी ने पवित्र श्रीराम मंदिर में दर्शन कर पूजा कर आशीर्वाद लिया

मनेंद्रगढ़ विधानसभा में भी भाजपा प्रत्याशी श्याम बिहारी जयसवाल के लिए पहले जीत आसान नहीं दिख रही थी लेकिन जैसे जैसे चुनाव प्रचार आगे बढ़ता रहा उनके प्रचार ने गति पकड़ी और उन्होंने मनेंद्रगढ़ शहर में इस बार भाजपा के खाते में काफी मत डलवा पाने में सफलता पाई जो पहली बार हुआ। नया जिला बनाकर कांग्रेस जहां यह मानकर चल रही थी की कम से कम नवीन जिले की दो विधानसभा वह जीत ही जाएगी और उसे नुकसान होगा भी तो केवल बैकुंठपुर विधानसभा का नुकसान हो सकता है लेकिन इसके उलट परिणाम सामने आया और नवीन जिले की दोनो विधानसभा भी कांग्रेस गवां बैठी। कुल मिलाकर देखा जाए तो ईश्वर भक्ति कारगर हुई दोनो प्रत्याशियों की दोनो को जैसी जीत मिल सकी वह संभव नजर नहीं आ रही थी और उसके बावजूद बेहतर जीत वह दर्ज कर सके। वैसे विभाजित कोरिया कहें या अविभाजित कोरिया जिला तीनो विधानसभाओं में भाजपा ने कब्जा जमा लिया और यह भी साबित हुआ की भले ही जिला अलग अलग हो गया यहां के लोगों के विचार एक ही जैसे हैं जो बदले नहीं हैं और उन्होंने वैसा ही परिणाम सामने रखा तीन शून्य की ही परंपरा बरकरार रखी जनता ने। कल मतगणना उपरांत विजय होने पर श्याम बिहारी जयसवाल सभी साथियों ने तत्काल मनेंद्रगढ़ में स्थित पवित्र श्रीराम मंदिर में दर्शन,पूजा कर आशीर्वाद लिया।

# मोटर मैकेनिक की खून से लथपथ लाश मिलने से जांच में जुटी पुलिस

- संवाददाता -
कोरबा,04 दिसम्बर 2023 (घटती-घटना)।

कोरबा जिले के दीपका थाना क्षेत्र के सिरकी मोड़ इलाके का है जहां एक युवक की हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है । एक मैकेनिक की उसके ही गैरेज के बाहर खून से सनी लाश मिलने से हड़कंप मच गया द्य इस वारदात की सूचना मिलने के बाद पुलिस और साइबर सेल की टीम मौके पर पहुंच जांच में जुट गई है।

जानकारी के मुताबिक मृतक की शिनाख्त निकोलस टोप्पो (36 वर्ष) के रूप में की गई है । जो की मूलतः जयपुर थाना चैनपुर जिला गुमला झारखंड का रहने वाला था । घटनास्थल की जांच के बाद प्रथम दृष्टया आशंका जताई जा रही है कि किसी ने निकोलस के सिर पर ईट पत्थर से हमला कर उसे मौत के घाट उतारा है । मामले में दीपका पुलिस ने मर्ग कायम कर निकोलस टोप्पो के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है । पुलिस और साइबर सेल की टीम हत्यारे की तलाश में जुटी हुई हैं की आखिर किसने और किन कारणों के कारण उसकी हत्या की गई ।

# जिला अस्पताल में डॉक्टरों ने बाजुओं में काली पट्टी लगाकर किया सांकेतिक विरोध प्रदर्शन

- संवाददाता -
कोरबा,04 दिसम्बर 2023 (घटती-घटना)।

जिला अस्पताल में ड्यूटी के दौरान मितानिन के द्वारा महिला डॉक्टर से मारपीट किए जाने की शिकायत पर उचित न्याय नहीं मिलने से नाराज अन्य साथी डॉक्टरों ने उचित कार्यवाही न होने से नाराज होकर सोमवार को बाजुओं में काली पट्टी लगाकर सांकेतिक विरोध प्रदर्शन किया । इस दौरान घटना को लेकर शिकायतकर्ता महिला डॉक्टर शीला वर्मा ने मीडिया से बात करते हुए बताया की बीते 26 नवंबर 2023 को जिला अस्पताल के प्रसूति कक्ष में एक पीड़ित महिला का इलाज कर वह रही थी,इसी दौरान कक्ष में उमा नाम की मितानिन महिला खड़ी थी,जिसे मैंने पीड़ित महिला की परिजन समझ कर पीड़िता की मदद करने के लिए कहा जिस पर मितानिन ने मना कर दिया,जिस पर मैंने उसे इलाज में सहयोग नहीं करने की स्थिति में कक्ष से बाहर जाने के लिए कहा और पीड़िता के परिजनों को बुलाने के लिए कहा, जिस पर मितानिन ने बाहर जाने से मना कर दिया और मोबाइल निकल कर वीडियो बनाने लगी,चूंकि एक महिला मरीज प्रसव की स्थिति में थी तो मैंने उसे वीडियो बनाने से मना किया तो वह नहीं मानी जिस पर मैंने उसके मोबाइल को हटाने का प्रयास किया तो मोबाइल जमीन पर गिर पड़ा जिस पर मितानिन आग बबूला होकर मुझ पर झपट पड़ी और मेरे साथ मारपीट की ।

मैने इसकी शिकायत अपने अस्पताल प्रबंधन और पुलिस से की, पर पुलिस ने साधारण मारपीट की धाराएं लगाई हैं,जो नाकाफी है । ड्यूटी के दौरान मेरे साथ हुई मारपीट से मैं काफी क्षुब्ध हूं, मेरी मांग है की शासकीय कार्य में बाधा की भी धारा उस महिला पर लगाई जाए,ताकि आगे से ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति ना हो। जिसे लेकर मेरे साथ अन्य सहयोगी डॉक्टरों ने अस्पताल में प्रदर्शन कर मितानिन द्वारा मारपीट और बदसलूकी के खिलाफ पुलिस से शिकायत की गई है,परंतु पुलिस ने मामूली धाराएं लगाई है । हम मितानिन महिला पर कड़ी कार्यवाही की मांग करते हुए आज सांकेतिक प्रदर्शन कर रहें है। इसके अलावा हमने पुलिस अधीक्षक और सायबर सेल से भी लिखित शिकायत की गई है।

# जिले में शांतिपूर्ण मतगणना प्रक्रिया संपन्न होने पर कलेक्टर व पुलिस अधीक्षक ने किया जिले वासियों का आभार व्यक्त

- संवाददाता -
मनेन्द्रगढ़,04 दिसम्बर 2023 (घटती-घटना)।

जिले में शांतिपूर्ण तरीके से मतगणना के साथ ही विधानसभा निर्वाचन संपन्न होने पर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नरेन्द्र दुग्गा एवं पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी ने जिले में निर्वाचन कार्य में संलग्न सभी अधिकारियों कर्मचारियों सहित आम नागरिकों सुरक्षा बलों मीडिया कर्मियों राजनैतिक दलों सहित जिले वासियों का आभार व्यक्त किया है।

कलेक्टर दुग्गा ने विधानसभा निर्वाचन की मतगणना कार्य से संबद्ध प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों जिला अधिकारी और कर्मचारियों के सराहनीय योगदान की प्रशंसा करते हुए कहा कि सभी शासकीय कर्मियों की सच्ची लगन, निष्ठा और कड़ी मेहनत की वजह से शांतिपूर्ण तरीके से मतदान और मतगणना का कार्य संपन्न हुआ। वहीं सुरक्षा कर्मियों द्वारा भी सुरक्षा जिम्मेदारियों का बखूबी निर्वहन किया गया। साथ ही चिकित्सकों ने भी सराहनीय कार्य किया है। जिले के नागरिकों ने पूरे सहयोग के साथ मतदान करने सहित निर्वाचन व्यवस्थाओं में भी शानदार सहभागिता निभाई। मतदान में हिस्सा लेकर मताधिकार का प्रयोग कर लोकतंत्र के महायज्ञ में पूर्णाहुति दी। साथ ही नए मतदाताओं ने भी पहली बार मताधिकार का प्रयोग करने में बढ़- चढक़र हिस्सा लिया। वहीं महिलाओं की सक्रिय सहभागिता रही। वरिष्ठ नागरिकों एवं दिव्यांगजनों ने भी उमंग और उत्साह से मतदान किया। जिला निर्वाचन अधिकारी ने सभी प्रिंट एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया के प्रतिनिधियों के प्रति भी आभार व्यक्त किया, जिन्होंने स्वीप गतिविधियों को समाचारों के माध्यम से लोगों को मतदान के प्रति जागरूक करने में रचनात्मक भूमिका निभाई।

# पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति हेतु ऑनलाईन प्रक्रियाओं की तिथि निर्धारित

- संवाददाता -
बलरामपुर,04 दिसम्बर 2023 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ राज्य में संचालित समस्त शासकीय, अशासकीय महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों, इंजीनियरिंग कॉलेज, मेडिकल कॉलेज, नर्सिंग कॉलेज, पॉलिटेक्निक एवं आईटीआई में अध्ययनरत अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थी, जो आदिवासी विकास विभाग द्वारा संचालित पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति (कक्षा 12वीं से उच्चतर) की पात्रता रखते हैं, उनके लिए शिक्षा सत्र 2023-24 में छात्रवृत्ति हेतु ऑनलाईन पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति (कक्षा 12वीं से उच्चतर) के आवेदन, स्वीकृति एवं वितरण की कार्यवाही वेबसाइट http://postmatric-scholarship.cg.in/ पर ऑनलाईन की जा रही है। जिसके अन्तर्गत विद्यार्थियों के पंजीयन एवं संस्थाओं को प्रस्ताव स्वीकृति लॉक करने हेतु विभाग द्वारा वर्ष 2023-24 की अंतिम तिथि निर्धारित की गई है। विद्यार्थी द्वारा ऑनलाईन आवेदन करने हेतु 28 नवम्बर से 30 दिसम्बर 2023, ड्राफ्ट प्रस्ताव लॉक करने हेतु 15 दिसम्बर से 20 जनवरी 2024, स्वीकृति आदेश लॉक करने हेतु 15 दिसम्बर से 24 जनवरी 2024 तक अंतिम तिथि निर्धारित की गई है। निर्धारित तिथियों के पश्चात् उक्त पाठ्यक्रमों हेतु शिक्षा सत्र 2023-24 की पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति ऑनलाइन आवेदन हेतु पोर्टल बंद कर दिया जायेगा एवं ड्राफ्ट प्रपोजल, सेक्शन ऑर्डर लॉक करने का अवसर भी प्रदान नहीं किया जायेगा। उक्त तिथि तक कार्यवाही पूर्ण नहीं करने पर यदि संबंधित संस्थाओं के विद्यार्थी छात्रवृत्ति से वंचित रह जाते हैं तो इसके लिए संस्था प्रमुख स्वयं जिम्मेदार होंगे।

## सड़क सुरक्षा समिति की बैठक 06 दिसम्बर को होगी आयोजित

- संवाददाता -
बलरामपुर,04 दिसम्बर 2023 (घटती-घटना)।

संयुक्त जिला कार्यालय भवन के सभाकक्ष में कलेक्टर श्री रिमिजियुस एक्का की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक 06 दिसम्बर 2023 दिन बुधवार को दोपहर 12:00 बजे से आयोजित की गई है। बैठक में ब्लेक स्पॉट का नये सिरे से सर्वेक्षण एवं चिन्हांकित कर सुधार, खराब एवं गड्डे युक्त सड़कों को मरम्मत, सड़क दुर्घटनाओं के कारणों को पहचानना और उसका अध्ययन, मोटर व्हेकिल एक्ट का उल्लंघन करने पर कार्यवाही हेतु निर्देश, जिले में निर्माणाधीन सड़क में प्रगति लाकर जल्द से जल्द पूर्ण करने, दुर्घटना वाले क्षेत्र में चिकित्सा सुविधा प्रदान करने व दुर्घटना ग्रस्त क्षेत्र में सांकेतिक बोर्ड एवं रेडियम लगाने, ड्रायविंग लायसेंस निलंबन/निरस्तीकरण, स्कूलों में सड़क सुरक्षा जागरूकता शिक्षा का क्रियान्वयन, जिले में आवारा पशुओं को सड़क मार्ग से हटाने की व्यवस्था तथा कार्यवाही व पिछली बैठक को दिए गए निर्देशों का पालन प्रतिवेदन एवं अध्यक्ष महोदय द्वारा अन्य बिंदुओं पर चर्चा की जाएगी। कलेक्टर श्री एक्का ने समिति के सदस्यों को निर्धारित तिथि व समय में एजेण्डा बिंदु की जानकारी सहित उपस्थित होने के निर्देश दिए हैं।

# भाजपा यूथ आइकन विकास महतो पत्रकारों से हुए रूबरू बताया जीत का राज

- संवाददाता -
कोरबा, 04 दिसम्बर 2023 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव 2023 के परिणाम आने के बाद पूरे प्रदेश सहित जिले में भी भाजपाइयों में काफी खुशी का माहौल दिखा । भाजपा ने वर्ष 2018 में मात्र 15 सीटों में सिमट गई थी पर 2023 के चुनाव में 54 सीटों में जीत हासिल कर प्रदेश की सत्ता में पुनः वापिस की, जिसका पूरा श्रेय जनता जनार्दन का ही है जिन्होंने भाजपा पर एक बार पुनः भरोसा करते हुए भारी मतों से जीत दिलाई । प्रदेश में जिस तरह से सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी का सफाया किया गया , इससे न केवल भाजपाई चकित नजर आए, बल्कि यह संदेश भी दिया गया की जनता से बढ़कर कोई नहीं । यही कारण है कि कोरबा विधानसभा को जीतने के बाद भाजपा युवा नेता प्रदेश कार्यकारणी सदस्य विकास महतो ने पत्रकार वार्ता में इस जीत के पीछे भाजपा की संगठनात्मक रूप से कार्य करने की क्षमता को कारण बताया द्य विकास महतो ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा के एक बार पुनः भाजपा के कार्यकर्ता ने एक साथ मिलकर जोश के साथ अपने अपने क्षेत्रों में जाकर माननीय प्रधानमंत्री के योजनाओं को जनता के सामने रखा,जिस पर जनता ने पुनः विश्वास किया और यही कारण है के भाजपा एक बार पुनः सत्ता में आई है । उन्होंने कहा कि कोरोना काल के मुश्किल दौर में भी भाजपा के कार्यकर्ताओं ने काफी सक्रिय रहते हुए लोगों के बीच जाकर लगातार जनसंपर्क करते रहे और समय समय पर उस कठिन घड़ी में भी जनता का साथ नही छोड़ा द्ब यही कारण है कि विपक्ष में रही भाजपा अब सत्ता में आ गई है। विकास महतो ने इस दौरान विगत पांच साल में हुए भ्रष्टाचार पर कहा के प्रदेश में जिस तरह से इन पांच सालों में भ्रष्टाचार दिखा वह शायद ही किसी और प्रदेश में दिखने को मिलेगा । उन्होंने कहा के महादेव एप के जरिए जिस तरह से लोगों के पैसों को डकारा गया उसका लोगों ने अपने मताधिकार का प्रयोग करते हुए कांग्रेस को ही सत्ता से उखाड़ फेक अपना हिसाब ले लिया है । उन्होंने कहा के पूर्व विधायक जयसिंह अग्रवाल और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को निश्चित तौर पर भ्रष्टाचार के लिए इंटरनेशनल अवार्ड देना चाहिए । प्रदेश की जनता इन पांच सालों में प्रदेश की भ्रष्ट सरकार के मंसूबे को बखूबी समझ गई थी जिसका नतीजा 03 दिसंबर को देखने को मिला के 15 सीटों पर सिमटी भाजपा को जनता प्रचंड बहुमत से पुनः सत्ता पर ले आई, इसके लिए उन्होंने जनता का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद कहा एवं जनता के विश्वास पर भाजपा दोबारा खरे उतरने की बात कही ।

# दक्षिण कोरिया के खिलाफ जीत के दावेदार के रूप में शुरुआत करेगा भारत

**नई दिल्ली,04 दिसम्बर 2023।** दो बार का चैंपियन भारत एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर वर्ल्ड कप 2023 में अपने अभियान की शुरुआत मंगलवार को साउथ कोरिया के खिलाफ करेगा। वहीं ये मुकाबला मलेशिया के कुआलालंपुर में खेला जाएगा। बता दें कि, भारत पूल ष्ट में हैं जहां उसके साथ कोरिया रिपब्लिक, स्पेन और कनाडा भी हैं। इससे पहले भारत 2001 में होबार्ट और 2016 में लखनऊ में चैंपियन बना था। इसके अलावा वह 1997 में इंग्लैंड के मिल्टन कीज मेंउपविजेता रहा था। पिछली बार दो साल पहले भुवनेश्वर में उसे चौथे स्थान से संतोष करना पड़ा था। भारत को आसान पूल में रखा गया है जिसमें उसका सामना कोरिया के अलावा कनाडा और स्पेन से होगा। कोरिया के बाद भारतीय टीम गुरुवार को स्पेन और शनिवार को कनाडा से खेलेगी। जबकि, पूल ए में गत चैंपियन अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, चिली और मलेशिया, जबकि पूल बी में मिस्त्र, फ्रांस, जर्मनी और दक्षिण अफ्रीका हैं। पूल डी में बेल्जियम, नीदरलैंड, न्यूजीलैंड और पाकिस्तान को रखा गया है। प्रत्येक पूल से शीर्ष दो टीमें क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी। क्वार्टर फाइनल, सेमीफाइनल और फाइनल क्रमशः 12, 14 और 16 दिसंबर को खेले जाएंगे। फारवर्ड उत्तम सिंह की अगुवाई वाली भारतीय टीम आत्मविश्वास से भरी है क्योंकि कोरिया के खिलाफ उसका रिकॉर्ड अच्छा रहा है। इन दोनों टीम के बीच जो 6 मैच खेले गए हैं उनमें से भारत ने तीन में जीत दर्ज की है। कोरिया ने दो मैच जीते हैं जबकि एक मैच ड्रॉ रहा है। इससे पहले इन दोनों टीम के बीच मुकाबला इस साल के शुरू में जूनियर विश्व कप में हुआ था जहां भारतीय टीम ने कोरिया को 9-1 से करारी शिकस्त ली थी।

भारतीय कप्तान उत्तम सिंह भी अच्छी शुरुआत करने के प्रति आश्वस्त हैं। उन्होंने कहा,''विश्व कप का इंतजार आखिर में खत्म हो गया और हम अच्छी शुरुआत करने के लिए आश्वस्त हैं। हमने हाल में कोरिया का सामना किया था और हम चुनौती से अच्छी तरह वाकिफ हैं लेकिन हमारा ध्यान रणनीति पर अच्छी तरह से अमल करने और अच्छी हॉकी खेलने पर होगा।''भारतीय कोच सीआर कुमार ने कहा कि टीम ने बहुत अच्छी तैयारी की है लेकिन वह किसी चीज को तय मानकर नहीं चलेगी। उन्होंने कहा,''खिलाड़ियों ने कड़ी मेहनत की है और हम टूर्नामेंट के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। कोरिया अच्छी टीम है और आप उन्हें हल्के से नहीं ले सकते हैं। यह बड़ी प्रतियोगिता है और हमें प्रत्येक विरोधी टीम का सम्मान करना होगा।

वहीं, अंडर-21 खिलाड़ियों के लिए 12 दिवसीय प्रतियोगिता मलेशिया नेशनल हॉकी स्टेडियम में खेली जाएगी। स्नढ्ढ॥ हॉकी पुरुष जूनियर वर्ल्ड कप की लाइव स्ट्रीमिंग और टेलीकास्ट भारत में भी उपलब्ध होगी।

पूरे दौरे के लिए ऐसा है शेड्यूल

पहला टी20- 10 दिसंबर, रविवार, डरबन

दूसरा टी20- 12 दिसंबर, मंगलवार, गकीबेरा

तीसरा टी20- 14 दिसंबर, गुरुवार, जोहांसबर्ग.

पहला वनडे- 17 दिसंबर, रविवार, जोहांसबर्ग

दूसरा वनडे- 19 दिसंबर, मंगलवार, गकीबेरा

तीसरा वनडे- 21 दिसंबर, गुरुवार, पार्ल.

पहला टेस्ट- 26 से 30 दिसंबर के बीच, सेंचुरियन

दूसरा टेस्ट- 03 से 07 जनवरी के बीच, केपटाउन.

## टी 20 विश्व कप से पहले भारत के तीसरे स्पिन विकल्प बनकर उभरे रवि बिश्नोई

**बेंगलुरु,04 दिसम्बर 2023।** जब रवि बिश्नावी को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम में नामित किया गया, तो यह स्पष्ट संकेत था कि वह अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप से पहले टीम प्रबंधन की दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा थे। विश्व कप से पहले भारत को छह टी20 खेलने हैं और यह स्पष्ट है कि 23 वर्षीय बिश्नावी को निश्चित रूप से युजवेंद्र चहल पर तरजीह दी जाएगी.

चहल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम में नहीं होंगे. इस साल चहल ने 9 टी20 मैचों में 9 विकेट और बिश्नावी ने 11 मैचों में 18 विकेट लिए हैं. ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुई सीरीज में बिश्नावी ने पांच मैचों में नौ विकेट लिए और उन्हें 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' चुना गया। विशाखापत्तनम में पहले मैच में 4 ओवर में 54 रन बनाने के अलावा बाकी मैचों में भी बिश्नावी ने शानदार गेंदबाजी की थी. ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मैथ्यू वेड ने स्वीकार किया कि बल्लेबाजों के अनुकूल कारणों से भी बिश्नोई के खिलाफ खेलना आसान नहीं था।उन्होंने कहा कि उनके स्पिनर अच्छा काम करते हैं। विशेषकर बिश्नावी ने सभी चार मैचों में शानदार प्रदर्शन किया। उनके साथ खेलना आसान नहीं था. श्रीलंकाई स्पिनर मुथैया मुरलीधरन ने जियोसिनेमा से कहा कि बिश्नोई अन्य लेग स्पिनरों से अलग हैं। वह तेज़ी से थ्रो करता है और गेंद को गिरा देता है। उपयोगी विकेट के साथ उनके खिलाफ खेलना बहुत मुश्किल है।'

## नीरज चोपड़ा ने कहा-मेरी भारत में एक बड़े अंतरराष्ट्रीय आयोजन में प्रतिस्पर्धा करने की इच्छा

**नई दिल्ली,04 दिसम्बर 2023।** देश के गोल्डन बॉय नीरज चोपड़ा ने इंडियन एक्सप्रेस के आइडिया एक्सचेंज में शिकरत की। इस दौरान उन्होंने कई सवालों के जवाब भी दिए। इसके साथ ही उन्होंने नीरज चोपड़ा ने बताया कि वर्ल्ड कप 2023 फाइनल में भारतीय टीम कहां चूकी। गोल्डन बॉय ने यह भी बताया कि युवाओं को क्यों सफलता के लिए शॉर्टकट के बजाय धैर्य और प्रॉसेस का विकल्प चुनना चाहिए।

जब उनसे सवाल किया गया कि वर्ल्ड कप फाइनल में आप थे, एक फैन के रूप में कैसा अनुभव रहा? बड़े मैच विजेता के रूप में ऑस्ट्रेलिया पर आपके विचार क्या हैं? जिस पर नीरज कहते हैं कि, पहली बार था जब मैंने कोई क्रिकेट मैच पूरा देखा। जब मैं फ्लाइट में था तब तक भारत तीन विकेट खो चुका था। जब मैं स्टेडियम पहुंचा तो विराट कोहली और केएल राहुल बल्लेबाजी कर रहे थे। कुछ तकनीकी बातें हैं जो मुझे समझ नहीं आतीं। दिन में बल्लेबाजी करना बहुत आसान नहीं था। मुझे लगता है कि शाम के समय बैटिंग करना आसान हो गई। लेकिन हमारे लोगों ने कोशिश की।

साथ ही नीरज ने कहा कि कभी-कभी हमारा दिन नहीं होता। लेकिन सच कहूं तो सभी के लिए टूर्नामेंट शानदार रहा। हो सकता है कि ऑस्ट्रेलियाई टीम ने कहीं न कहीं मानसिक रूप से शुरुआत में बढ़त बनाए रखी। जब उन्होंने गेंदबाजी की तो मैंने पाया कि वे मानसिक रूप से बहुत मजबूत थे। आखिर में उन्होंने पूरी तरह से इस खेल को पलट दिया वे अपने खेल को लेकर आश्वस्त थे।

## ब्रिस्बेन के मेयर ने 2032 ओलंपिक आयोजन समिति से इस्तीफा दिया

**ब्रिस्बेन,04 दिसम्बर 2023।** ब्रिस्बेन के लॉर्ड मेयर एड्रियन श्राइनर ने 2032 में यहां होने वाले ओलंपिक खेलों की आयोजन समिति से त्यागपत्र दे दिया है। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने 2021 में ब्रिस्बेन को 2032 के खेलों की मेजबानी सौंपी थी लेकिन श्राइनर के इस्तीफे से आयोजकों में आपसी मतभेद का पता चलता है।

ब्रिस्बेन ने ओलंपिक के आयोजन के लिए लीडर्स फोरम का गठन किया था जिसमें सरकार के तीनों स्तर और अन्य एजेंसियों के प्रतिनिधि शामिल हैं। लेकिन श्राइनर ने कहा कि इस समूह का उपयोग केवल हितधारकों को खुश करने के लिए किया जा रहा है जबकि सभी अहम फैसले राज्य सरकार कर रही है।

श्राइनर ने कहा,''असलियत यह है कि हम हमेशा टीम के खिलाड़ी बनना चाहते हैं लेकिन राज्य सरकार राजनीति करना चाहती है। हमें महंगे स्टेडियमों की जरूरत नहीं है, हमें बेहतर परिवहन सुविधा की जरूरत है।

## अमीषा,प्राची और हार्दिक ने जीता सिल्वर

### 9 भारतीय गोल्ड की दौड़ में शामिल

**नई दिल्ली,04 दिसम्बर 2023।** भारतीय मुक्केबाज हार्दिक पंवार, अमीषा केरेटा और प्राची टोकस को आर्मेनिया के येरेवन में आईबीए जूनियर विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में अपने-अपने फाइनल में हार के बाद रजत पदक के साथ संतोष करना पड़ा। एशियाई जूनियर चैंपियन हार्दिक (80 किग्रा) को करीबी मुकाबले में रूस के एशुरोव बैरमखान से 2-3 से हार का सामना करना पड़ा। दोनों मुक्केबाज इस मुकाबले में आक्रामक दिखे और उन्होंने अंक हासिल करने के हर मौके को भुनाया। रूस का मुक्केबाज ने हालांकि आखिरी समय में भारतीय खिलाड़ी पर भारी पड़ा। अमीषा (54 किग्रा) और प्राची (80 किग्रा से अधिक) को अपने-

अपने फाइनल मुकाबलों में समान रूप से 0-5 से हार का सामना करना पड़ा। अमीषा कजाकिस्तान की अयाजान सिडिक जबकि प्राची ने उज्बेकिस्तान की दो बार की एशियाई जूनियर चैंपियन सोबिराखोन शाखोबिद्दीनोवा के खिलाफ हार गयी। भारत इस प्रतियोगिता में अब तक पांच कांस्य सहित 17 पदक पक्का कर चुका है। पायल (48 किग्रा), निशा (52 किग्रा), विनी (57 किग्रा), सृष्टि (63 किग्रा), आकांक्षा (70 किग्रा), मेघा (80 किग्रा), जतिन (54 किग्रा), साहिल (75 किग्रा) और हेमंत (80 किग्रा से अधिक) उन नौ भारतीय मुक्केबाजों में शामिल है जो सोमवार को प्रतियोगिता के अंतिम दिन स्वर्ण पदक के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। नेहा (46 किग्रा), निधि (66 किग्रा), परी (50 किग्रा), कृतिका (75 किग्रा) और सिकंदर (48 किग्रा) ने सेमीफाइनल में हार के बाद अपना अभियान कांस्य पदक से समाप्त किया।

## फेलिक्स के गोल से बार्सिलोना ने एटलेटिको मैड्रिड को हराया

**स्पेन,04 दिसम्बर 2023।** जोओ फेलिक्स ने अपने पूर्व क्लब के खिलाफ गोल किया जिससे बार्सिलोना ने एटलेटिको मैड्रिड को 1-0 से हराकर स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा में शीर्ष पर पहुंचने की तरफ कदम बढ़ाए। बार्सिलोना ने फेलिक्स को एटलेटिको से ऋण पर लिया है। उन्होंने 28वें मिनट में गोल किया जो आखिर में निर्णायक साबित हुआ। इससे बार्सिलोना अपने घरेलू मैदान पर जीत दर्ज करने में सफल रहा। इस जीत से बार्सिलोना के 15 मैच में 34 अंक हो गए हैं और वह शीर्ष पर काबिज रियाल मैड्रिड और गिरोना से चार अंक पीछे है।

इन दोनों टीमों ने जीत दर्ज की थी। रियाल मैड्रिड ने ग्रेनाडा को 2-0 से और गिरोना ने वालेंसिया को 2-1 से हराया था। इस हार से एटलेटिको चौथे स्थान पर खिसक गया है। उसके तीसरे स्थान पर काबिज बार्सिलोना से तीन अंक कम हैं। एटलेटिको ने हालांकि बार्सिलोना से एक मैच कम खेला है।

## कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी से हट सकता है ऑस्ट्रेलिया

**मेलबर्न,04 दिसम्बर 2023।** ऑस्ट्रेलिया 2026 में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी से हट सकता है और उसके खेल अधिकारियों ने अंतरराष्ट्रीय महासंघ को अन्य देशों की दावेदारी पर विचार करने के लिए कह दिया है।

राष्ट्रमंडल खेल ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कार्यकारी क्रेग फिलिप्स ने गोल्ड कोस्ट के मेजबानी से हटने के बाद सोमवार को यह टिप्पणी की। इससे पहले जुलाई में विक्टोरिया प्रांत मेजबानी से हट गया था।फिलिप्स ने कहा कि आस्ट्रेलिया अभी मेजबानी से पूरी तरह नहीं हटा है लेकिन राष्ट्रमंडल खेल महासंघ (सीजीएफ)को अन्य विकल्पों पर भी गंभीरता से विचार करना चाहिए। फिलिप्स ने ऑस्ट्रेलियाई एसोसिएट प्रेस से कहा,''हमने (सीजीएफ को) संकेत दिया है और ऐसा करने में उन्हें हमारा पूरा समर्थन मिलेगा।''

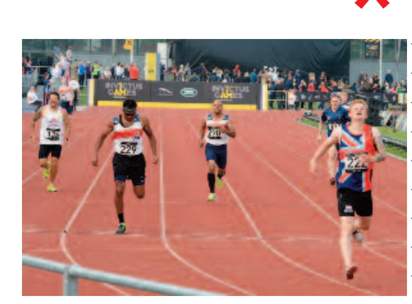

उन्होंने कहा,''खेलों की मेजबानी करना हमारी प्राथमिकता है और हम ऐसा करने की कोशिश करेंगे, लेकिन अगर उनके पास बेहतर विकल्प हैं तो फिर उन्हें उन पर गंभीरता से विचार करना चाहिए।''गोल्ड कोस्ट के मेयर टॉम टेट ने कहा था कि उन्हें सरकार से समर्थन नहीं मिल रहा है और इसलिए वह राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी नहीं कर सकते हैं।

## फिल्म रत्नम से एक्शन हीरो विशाल की पहली झलक आई सामने

एक शक्तिशाली प्रवेश द्वार बनाते हुए, वाहनों में से एक से उतरता है। दृश्य एक दिलचस्प मोड़ लेता है जब नायक, प्रभावशाली उपस्थिति के साथ, एक ऐसे व्यक्ति का सामना करता है जिसके हाथ बंधे हुए हैं। एक नाटकीय इशारे में, विशाल बंधे हुए हाथों को अलग कर देता है, जिससे एक गहन और प्रभावशाली क्षण बनता है, जो एक मनोरंजक पृष्ठभूमि स्कोर द्वारा और भी बढ़ जाता है।

कॉलीवुड के गतिशील एक्शन हीरो विशाल ने हाल ही में टाइम-ट्रैवल थ्रिलर मार्क एंटनी के साथ सिल्वर स्क्रीन पर धूम मचाई, जिसे बॉक्स ऑफिस पर उल्लेखनीय सफलता मिली। गति को जारी रखते हुए, अभिनेता अपनी आगामी एक्शन से भरपूर थ्रिलर के साथ एक बार फिर दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने के लिए तैयार है, जिसे अब आधिकारिक तौर पर रथनाम नाम दिया गया है। मास एक्शन फिल्मों के क्षेत्र में उस्ताद हरि द्वारा निर्देशित, फिल्म ने यूट्यूब पर शुरुआती झलकियां जारी करके पहले ही उत्साह पैदा कर दिया है।

टीज़र की शुरुआत एक शानदार सीक्वेंस के साथ होती है जहां लॉरियों की एक कतार रुकती है। विशाल,

रथ्नम के इन शुरुआती शॉट्स ने उच्च उम्मीदों के लिए मंच तैयार कर दिया है, जो प्रशंसकों को आने वाली गहन और एक्शन से भरपूर कहानी की झलक दिखा रहा है। ज़ी स्टूडियोज और स्टोन बेंच फिल्म्स द्वारा निर्मित और देवीश्री प्रसाद द्वारा समर्थित, यह फिल्म आने वाले साल की गर्मियों में रिलीज होने वाली है।

## निक्की तंबोली के बोल्ड लुक ने इंटरनेट पर मचाई सनसनी,तस्वीरों से नजरें नहीं हटा पा रहे फैंस

बिग बॉस फेम एक्ट्रेस निक्की तंबोली हमेशा अपने बोल्ड और स्टनिंग लुक्स के कारण चर्चाओं में रहती हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्रम पर शेयर करती हैं तो फैंस हमेशा उनकी तस्वीरों पर अपना दिल हार जाते हैं.। एक्ट्रेस निक्की तंबोली हमेशा अपनी बोल्ड तस्वीरों से सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटौरती रहती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान की कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों ने एक बार फिर से सोशल मीडिया पर सनसनी मचा दी है। एक्ट्रेस निक्की तंबोली की हमेशा पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ की झलक उनके इंस्टाग्राम पर देखने को मिलती रहती है। अपनी लेटेस्ट फोटोज में निक्की तंबोली ने फ्लोरल ब्रालेट टॉप पहना हुआ है और साथ ही फ्लोरल स्कर्ट भी पहनी हुई है। एक्ट्रेस निक्की तंबोली का ये लुक फैंस को काफी पसंद आ रहा है। स्मोकी आईज मेकअप और बालों को ओपन कर के एक्ट्रेस निक्की ने अपने इस आउटलुक को कंप्लीट किया है. निक्की अपनी इन तस्वीरों में बेहद ही ग्लैमरस और हॉट अंदाज में अलग-अलग पोज देते हुए तस्वीरें क्लिक करवा रही हैं।

## अजय देवगन की सुपरनैचुरल थ्रिलर फिल्म का नाम होगा शैतान,आर माधवन से होगी भिड़ंत

बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन को आखिरी बार फिल्म भोला में देखा गया था, जो अमेजन प्राइम वीडियो पर उपलब्ध है।अब अजय एक सुपरनैचुरल थ्रिलर फिल्म में नजर आने वाले हैं, जिसमें उनकी भिड़ंत आर माधवन से होगी।यह फिल्म वश नाम की गुजराती फिल्म का हिंदी रीमेक होगी।ताजा खबर यह है कि अजय और माधवन की यह फिल्म शैतान नाम से सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसका निर्देशन विकास बहल करने वाले हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, शैतान की शूटिंग खत्म हो चुकी है और इसका ज्यादातर हिस्सा मुंबई, मसूरी और लंदन में शूट हुआ है।यह अजय और माधवन की साथ में पहली फिल्म है।इस फिल्म को पैनोरमा स्टूडियोज के बैनर तले अजय, कुमार मंगत पाठक और अभिषेक पाठक द्वारा निर्मित किया जा रहा है।अजय इससे पहले भी सुपरनैचुरल थ्रिलर जॉनर में काम कर चुके हैं, जिसमें भूत और काल जैसी फिल्मों का नाम शामिल है।

अजय जल्द ही मैदान में नजर आने वाले हैं, जो भारतीय फुटबॉल के स्वर्णिम वर्षों पर आधारित है। इसका निर्देशन अमित रविंद्रनाथ शर्मा ने किया है।इसके अलावा वह रोहित शेट्टी के कॉप यूनिवर्स की फिल्म सिंघम अगेन को लेकर भी चर्चा में हैं। इस फिल्म से उनकी पहली झलक सामने आ चुकी है।इसमें दीपिका पादुकोण, रणवीर सिंह, करीना कपूर खान और टाइगर श्रॉफ भी हैं।औरों में कहाँ दम था भी अजय के खाते से जुड़ी है।

# नए सीएम के नाम को लेकर बड़ा खुलासा

## मुख्यमंत्री के चेहरे को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह ने कहा कि पार्टी जो भी जिम्मेदारी मुझे देगी वो पूरी करूंगा

**रायपुर,04 दिसम्बर 2023(ए)।** प्रदेश की जनता ने राज्य का भविष्य अगले पांच सालों के लिए बीजेपी को सौंप दिया है। प्रदेश के बीजेपी नेता खुश हैं। वहीं नतीजों के बाद ये सवाल भी पूछा जाने लगा है कि प्रदेश में बीजेपी सीएम किसे बनाएगी। इस पर रमन सिंह ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि सीएम कौन बनेगा इसका फैसला पार्टी करेगी।

छत्तीसगढ़ में तीन दिसंबर को चुनावी नतीजे आ गए. भारतीय जनता पार्टी ने प्रदेश में वापसी की है. प्रदेश में बीजेपी को 55 सीटें तो कांग्रेस को 35 सीटों पर जीत हासिल हुई है।
रमन सिंह ने कहा कि जो भ्रष्टचार कांग्रेस राज में हुआ है, उसकी जांच की जाएगी। दो तीन दिन में विधायक दल का नेता चुनने की प्रक्रिया पूरी हो जाएगी.।राज्य में पार्टी की जीत के बाद मुख्यमंत्री के चेहरे को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह ने कहा कि पार्टी जो भी जिम्मेदारी मुझे देगी वो पूरी करूंगा।
जो पार्टी की प्रक्रिया है विधायक दल का नेता चुनने की वो दो तीन दिन में पूरी हो जाएगी और ज्यादा समय सरकार बनाने में नहीं लगेगा। कांग्रेस के वक्त जो भी भ्रष्टाचार हुआ है उसकी जांच सरकार बनने के बाद की जाएगी। कांग्रेस के कुशासन का अंत हुआ है।उन्होंने कहा कि किसानों को पहले भी बीजेपी ने प्राथमिकता दी और देते रहेंगे। डबल इंजन सरकार आने के बाद राज्य के विकास के कामों में तेजी आएगी।
छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के हाथों बड़ी हार का सामना करना पड़ा, लेकिन वह अनुसूचित जाति (एससी) समुदाय के लिए आरक्षित सीटों पर अच्छा प्रदर्शन करने में सफल रही। कांग्रेस ने एससी उम्मीदवारों के लिए आरक्षित दस सीटों में से छह पर जीत हासिल की है।
जो 2018 में मिली जीत से एक कम है। राज्य में 2018 के चुनाव में कांग्रेस ने 10 एससी सीटों में से सात सीटें हासिल की थीं, जबकि बीजेपी दो और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) को एक सीट मिली थी. इस बार कांग्रेस ने छह एससी सीटें सारंगढ़, मस्तूरी, पामगढ़, सरायपाली, बिलाईगढ़ और डोंगरगढ़ जीती है।
इन छह सीटों में से मस्तूरी और पामगढ़ ऐसी सीट है जो 2018 में बीजेपी और बसपा के पास थी. सारंगढ़ में कांग्रेस ने अपने मौजूदा विधायक उत्तरी गणपत जांगड़े को मैदान में उतारा था, जिन्होंने बीजेपी की शिवकुमारी चौहान को 29,695 वोट के अंतर से हराया। कांग्रेस ने सरायपाली, बिलाईगढ़ और डोंगरगढ़ क्षेत्रों में अपने मौजूदा विधायकों को टिकट देने से इनकार कर दिया था और नए महिला चेहरों चतुरी नंद, कविता प्राण लहरे और हर्षिता स्वामी बघेल को मैदान में उतारा था जो जीतने में सफल रहीं।

### कैबिनेट की पहली बैठक से ही घोषणाओं को पूरा करने की होगी शुरुआत :डॉ रमन

पूर्व मुख्यमंत्री डा रमन सिंह ने कहा है कि छत्तीसगढ़ में भाजपा की बड़ी जीत के बाद अब चुनाव के दौरान जारी किये गए घोषणापत्र और मोदी की गारंटी के तहत किये गए वादों को पूरा करने की चुनौती होगी। उन्होंने कहा कि घोषणापत्र में किए गए वादों को पूरा करने की शुरुआत पहली कैबिनेट से ही करनी होगी

### नवनिर्वाचित विधायक बीजेपी दफ्तर पहुंचे

प्रदेश भाजपा कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर मे नव निर्वाचित विधायकों के पहुंचने पर प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने मीडिया के प्रतिनिधियों को मिठाई खिलाई। वहां मौजूद नेता कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे का मुंह मीठा कर अभिवादन करते रहे। तीन राज्यों में विधानसभा चुनाव जीतने के बाद बीजेपी का केंद्रीय नेतृत्व आगामी लोकसभा चुनाव पर नजर रखते हुए तीनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों का नाम तय करेगा। सोशल इंजीनियरिंग और जातीय समीकरण को ध्यान में रखते हुए दो उपमुख्यमंत्रियों की नियुक्ति पर भी विचार किया जा रहा है।

## रमन सिंह के निजी सहायक ओपी गुप्ता रेप मामले में बरी

**रायपुर,04 दिसम्बर 2023 (ए)।** भूतपूर्व मुख्यमंत्री डॉ.रमन सिंह के निजी सहायक रहे ओ.पी.गुप्ता को एक नाबालिग लडक़ी से बलात्कार के मामले में अदालत ने बरी कर दिया है। उन पर 2015 से 2019 तक एक नाबालिग लडक़ी से बलात्कार का आरोप लगा था, उन्हें गिरफ्तार करके मुकदमा चलाया गया था। अब रायपुर के पॉक्सो कोर्ट ने ओ.पी. गुप्ता को इस मामले में बेकसूर ठहराने का फैसला दिया है। इस बारे में पूछने पर ओ.पी.गुप्ता ने बताया कि अदालत से बरी होने के बाद वे पहले की तरह डॉ.रमन सिंह के निजी सहायक का काम कर रहे हैं। गुप्ता ने आगे कहा कि अदालत के फैसले से दूध-का दूध और पानी का पानी हुआ है। सत्य की विजय हुई है।

## सभी 5 राज्यों से हटाई गई चुनावी आचार संहिता

### भारत निर्वाचन आयोग का मुख्य सचिवों को खत

**रायपुर,04 दिसम्बर 2023 (ए)।** देश के सभी पांच राज्यों में चुनाव संपन्न हो चुके है। इनमें छत्तीसगे , मध्यप्रदेश, राजस्थान, तेलंगाना और मिजोरम शामिल है। ऐसे में अब चुनाव आयोग ने इन सभी राज्यों में प्रभावी आदर्श आचार संहिता को शिथिल कर दिया है। इस बाबत केंद्रीय चुनाव आयोग ने सभी पांच राज्यों के मुख्य सचिवों को खत लिखा है।

## छत्तीसगढ़ को कांग्रेस के ग्रहण से मुक्त करने वाली जनता को नमन:साव

**रायपुर,04 दिसम्बर 2023(ए)।** छत्तीसगढ़ प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सांसद अरुण साव ने भाजपा की ऐतिहासिक जीत को छत्तीसगढ़ के गांव गरीब किसान मजदूर और युवाओं की जीत निरूपित करते हुए कहा कि राज्य की जनता ने आज कांग्रेस रूपी अभिशाप से छत्तीसगढ़ को मुक्त करते हुए विकास का मार्ग चुन लिया है।
प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री साव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भाजपा सरकार के शपथ समारोह का न्यौता देने आए थे। छत्तीसगढ़ की जनता के हम आभारी हैं कि मोदी जी का न्यौता आपने स्वीकार किया। मोदी जी की गारंटी पर विश्वास किया। जिसकी वजह से छत्तीसगढ़ कुशासन, अन्याय, अत्याचार, आतंक और भ्रष्टाचार से मुक्त हुआ है। राज्य में कांग्रेस के आतंक राज पर भाजपा के जीवट कार्यकर्ता के संघर्ष की जीत जनता के आशीर्वाद का प्रतिफल है।
प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री साव ने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति छत्तीसगढ़ की जनता का विश्वास, देश के गृहमंत्री अमित शाह की रणनीति, हमारे प्रदेश प्रभारी ओम माथुर, चुनाव सह प्रभारी केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया, संगठन के सह प्रभारी नितिन नबीन का कुशल निर्देशन, सभी वरिष्ठ नेताओं का मार्गदर्शन और हमारे प्रत्येक कार्यकर्ता का जुझारूपन इस शानदार जीत के मुख्य कारक हैं। हमारे कार्यकर्ता बिना डरे, बिना थमे क्रूर दमनकारी पंजे से छत्तीसगढ़ को मुक्त कराने डटे रहे। आखिरकार सत्य की जीत हुई। अब भाजपा की सरकार बनते ही मोदी जी की गारंटी पूरी करने का श्रीगणेश होगा। छत्तीसगढ़ विकास की तेज गति से आगे बढ़ेगा। भाजपा छत्तीसगढ़ निर्माता अटलजी के सिद्धांतों के अनुरूप राज्य को सुशासन देगी। जनता द्वारा दिए गए आशीर्वाद के प्रति नमन करते हुए भाजपा वचनबद्ध है कि हम जन आकांक्षा और अपेक्षा की कसौटी पर खरे उतरेंगे। छत्तीसगढ़ महतारी का मान अब अपने शिखर पर होगा।

## निज सचिवों की मूल विभाग में वापसी

**रायपुर,04 दिसम्बर 2023(ए)।** छत्तीसगढ़ में सत्ता परिवर्तन होते ही मुख्यमंत्री के निज सचिव के साथ ही ओएसडी को उनके मूल विभाग में पदस्थ कर दिया गया है । इस आशय का आदेश सामान्य प्रशासन विभाग से जारी हो गया है।
इस लिस्ट में मंत्रियों के निज सचिव का नाम शामिल है। जिन्हें उनके मूल विभाग में पदस्थापना दी है. जिसका आदेश सामान्य प्रशासन विभाग के अवर सचिव क्लेमेन्टीना लकड़ा ने जारी किया है।
जिन निज सचिवों की मूल विभाग में वापसी हुई हैं उनमें सुश्री दिव्या वैष्णव, कैलाश प्रसाद वर्मा, जयशंकर उरांव, लिंगराज सिदार, राजेश कुमार पात्रे, गिरधारीलाल यादव, अजय शंकर उरांव, अतुल कुमार शेटे तथा बनसिंह नेताम का नाम शामिल है।

## छत्तीसगढ़ सीबीएसई का बड़ा फैसला

### अब न टॉप-टेन और न ही विशेष योग्यता

**रायपुर,04 दिसम्बर 2023(ए)।** सीबीएसई अब से छात्रों की श्रेणी का जिक्र अंकसूची में नहीं करेगा। अर्थात छात्रों को प्रदान किए जाने वाले फर्स्ट, सेकेंड और थर्ड डिवीजन का उल्लेख अंकसूची में नहीं होगा। इसके साथ ही छात्रों को मिलने वाली विशेष योग्यता, कुल प्रतिशत तथा सीजीपीए भी अंकसूची में प्रदर्शित नहीं की जाएगी। अंकसूची में केवल इस बात का जिक्र रहेगा कि छात्र को किस विषय में कितने अंक मिले हैं। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा यह फैसला इसलिए लिया गया है, ताकि छात्रों पर बनने वाला अनावश्यक दबाव खत्म हो सके तथा वे चिंतामुक्त होकर पढ़ाई कर सकें। प्रतिस्पर्धा मुक्त अध्ययन प्रणाली लागू करने यह व्यवस्था की जा रही है। अंकसूची में छात्रों द्वारा प्राप्त प्रतिशत का उल्लेख पिछले शैक्षणिक सत्र से ही किया जाना बंद कर दिया गया।

वर्तमान शैक्षणिक सत्र से सर्कुलर जारी करते हुए इसे आधिकारिक रूप से बंद कर दिया गया है। सर्कुलर जारी करते हुए सीबीएसई के परीक्षा नियंत्रक सान्याम भारद्वाज ने कहा, कुल मिलाकर कोई श्रेणी, विशेष योग्यता या कुल प्राप्तांक नहीं दिए जाएंगे। यदि किसी अभ्यर्थी ने पांच से अधिक विषयों में परीक्षा दी है तो उसे प्रवेश देने वाला संस्थान या नियोक्ता, उसके लिए सर्वश्रेष्ठ पांच विषयों पर विचार करने का फैसला कर सकता है। यदि सीबीएसई छात्र द्वारा किसी शैक्षणिक संस्थान में पढ़ाई के लिए अथवा किसी कंपनी में नौकरी के लिए आवेदन किया जाता है तो छात्रों को मिले प्रतिशत की गणना शैक्षणिक संस्थानों अथवा कंपनी को खुद ही करनी होगी। सीबीएसई की बोर्ड परीक्षाओं के अंतर्गत छात्र पांच विषयों में परीक्षाएं दिलाते हैं। छात्र एक अतिरिक्त विषय का भी चुनाव कर सकते हैं। प्रतिशत निकालते वक्त सीबीएसई 6 में से उन 5 विषयों का चयन करता था, जिसमें छात्र को सर्वाधिक अंक मिले होते थे। अब ऐसा नहीं होगा। प्रतिशत निकालने शैक्षणिक संस्था अथवा नियोक्ता कंपनी अपनी आवश्यकतानुसार अथवा छात्रों द्वारा दिए गए आवेदन के अनुसार यह तय कर सकेगी कि किन पांच विषयों का चुनाव प्रतिशत निकालने के लिए किया जाना है।
सीबीएसई द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर मेरिट लिस्ट जारी की जाती रही है। इसके अलावा राज्य स्तर पर भी प्रावीण्य सूची जारी होती है। स्कूल भी कक्षा स्तर पर प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों की घोषणा करते रहे हैं। नए सर्कुलर के बाद इसमें भी पूर्णतः प्रतिबंध लग जाएगा। अर्थात शाला स्तर पर भी प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों की घोषणा नहीं की जाएगी। सीबीएसई संबंद्ध सभी स्कूलों को 'को इसका पालन करना होगा। ऐसा ना किए जाने पर स्कूलों की मान्यता समाप्त की जा सकेगी। किसी विषय में छात्र द्वारा 75 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए जाने पर उस विषय में विशेष योग्यता अर्थात डिस्टिंक्शन प्रदान किया जाता रहा है। अब यह भी प्रतिबंधित है।

## महापौर ढेबर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की चर्चा

**रायपुर,04 दिसम्बर 2023(ए)।** कांग्रेस के सदस्यों ने महापौर एजाज ढेबर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की चर्चा कर रहे है। चूंकि राजधानी सहित प्रदेश की सभी 70 सीटों में से 55 सीटों पर कांग्रेस उम्मीदवारों को करारी हार का सामना करना पड़ा।कांग्रेस काउंसिल के सदस्यों ने मेयर और कंपनी पर आरोप लगाते हुए मोर्चा खोल दिया। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की बुरी हार का सामना रायपुर नगर निगम के वर्तमान महापौर एजाज ढेबर को झेलना पड़ेगा।नाराज निगम के जितने निर्दलीय पार्षद है उन्होंने अपना समर्थन वापस लेने की तैयारी शुरू कर दी है। वही भाजपा के सभी निर्दलीय और नए पार्षद इस मौके का इंतज़ार कर रहे थे। जिसका नतीज़ा कुछ दिनों बाद जल्द देखने को मिलेगा।
जल्द ही अविश्वास प्रस्ताव लेकर पार्षद दल निर्णय लेगा और एजाज ढेबर के खिलाफ खुला खेल खेलेगा। ये वही कांग्रेस संगठन एमआईसी सदस्य अजीत कुकरेजी के इस्तीफे की तैयारी कर रहा था। दूसरी ओर, मेयर एजाज ढेबर पर अविश्वास प्रस्ताव को लेकर चर्चाएं तेज हो गयी हैं।

# किसान बन गया बीजेपी विधायक

- सात बार के एमएलए मंत्री हारे
- हुई थी बेटे की नृशंस हत्या
- मध्य प्रदेश,राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भाजपा को स्पष्ट बहुमत मिला

**रायपुर,04 दिसम्बर 2023(ए)।** लोकसभा 2024 के सेमीफाइनल यानी 4 राज्यों के विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने 3-1 से जीत हासिल की। मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में बीजेपी को स्पष्ट बहुमत मिला। तेलंगाना में केसीआर की पार्टी हार गई और जनता ने सत्ता की चाबी कांग्रेस को सौंप दी।
राजस्थान की जनता ने अपनी परंपरा कायम रखते हुए सरकार बदल दी। दरअसल, 1990 के बाद से राजस्थान में किसी भी एक पार्टी ने लगातार दो बार सत्ता हासिल नहीं की है। लेकिन, छत्तीसगढ़ के नतीजों ने सबको चौंका दिया। क्योंकि भूपेश बघेल की भारी लोकप्रियता के बावजूद कांग्रेस सत्ता में नहीं आई।

इस बीच छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिले के साजा विधानसभा क्षेत्र में बेहद कड़ा मुकाबला देखने को मिला। यहां बीजेपी और कांग्रेस के बीच सीधी टक्कर थी। लेकिन सामान्य परिवार के किसान ईश्वर साहू ने सात बार के विधायक प्रत्याशी को हराकर बड़ा झटका दिया।
इस सीट से साहू के खिलाफ मंत्री रवींद्र चौबे मैदान में थे। दरअसल, दूसरे समुदाय की भीड़ की हिंसा में साहू ने अपना 'बेटा' खो दिया। साहू के बेटे की नृशंस हत्या से जनता में आक्रोश की लहर फैल गई, जिसका परिणाम फैसले में दिखाई दिया। लोगों के आक्रोश को देखते हुए भारतीय जनता पार्टी ने ईश्वर साहू को टिकट दिया। साहू को कुल 101789 वोट मिले और उन्होंने चौबे को 5196 वोटों से हराया। साजा विधानसभा क्षेत्र में अप्रैल में धार्मिक दंगे हुए थे। यह दंगा एक स्कूल की लड़ाई से शुरू हुआ और इसने धार्मिक हिंसा का रूप ले लिया। इसी हिंसा में ईश्वर साहू के बेटे भुवनेश्वर साहू की मौत हो गई थी।
फिर बीजेपी ने दिवंगत भुवनेश्वर के पिता को टिकट दिया और वो विधायक बन गये। साजा विधानसभा क्षेत्र में 60 हजार मतदाता साहू हैं और इसका फायदा ईश्वर साहू को मिला। साहू समाज ने एकजुट होकर अपने साथ हुए अन्याय के खिलाफ वोट किया और अपने ही समाज से उम्मीदवार को चुना।

## अवैध निर्माण-अतिक्रमण को लेकर बृजमोहन अग्रवाल ने कही ये बात

**रायपुर,04 दिसम्बर 2023(ए)।** बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि जिन लोगों ने कब्जा किया है गलत काम किया है उन पर बुलडोजर चलेगा। गलत काम से पैसा कमाने वालों को चिंता करनी चाहिए। महापौर के खिलाफअस्विश्वास प्रस्ताव पर कहा कि आगे आगे देखिए होता है क्या।
3 दिसंबर को साफ हो गया कि अब प्रदेश में बीजेपी की सरकार ही बनेगी। भाजपा ने कांग्रेस के 9 मंत्रियों को हरा कर एक बार फिर प्रदेश में सत्ता वापसी की है। पिछले 5 सालों से सूखा कांट रही भाजपा प्रदेश में फिर भगवाधारी की सरकार बना रही है। प्रदेश में कांग्रेस की हार के बाद अब राजनीतिक बयानबाजी शुरु हो गई है। इसी बीच रायपुर दक्षिण विधायक बृजमोहन अग्रवाल का बड़ा बयान सामने आया है।

## प्रमुख सचिव स्कूल शिक्षा विभाग आलोक शुक्ला ने दिया इस्तीफा

**रायपुर,04 दिसम्बर 2023(ए)।** छत्तीसगढ़ स्कूल शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव डा. आलोक शुक्ला ने अपने पद से इस्तीफ दे दिया है। श्री शुक्ला के पास कई विभागों और बोर्ड की जिम्मेदारी थी। वह व्यापमं और माशिमं के भी अध्यक्ष थे। वहीं रोजगार मिशन के संचालक का भी पद उनके पास था। श्री शऊकला इसके अलावा कौशल विभाग के सचिव के प्रभार भी संभाल रहे थे।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)